छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 36 ■ अम्बिकापुर, रविवार 25 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

बाइक में सवार होकर पहुंचे युवकों ने कोल्ड ड्रिंक पी रहे युवक को खंजर भोंका

मेडिकल कॉलेज अस्पताल के चिकित्सकों ने खंजर को ऑपरेशन करके निकाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के चांदनी चौक से लगे रिंग रोड में दुकान के अंदर बैठकर कोल्ड ड्रिंक, सिगरेट पी रहे युवक के पेट में दिनदहाड़े पल्सर मोटरसायकल में सवार होकर पहुंचे युवकों ने खंजर भोंक दिया, और पेट में घुसे खंजर के साथ लहूलुहान हाल में छोड़कर भाग गए। घटना दिन में करीब 11.30 से 12 बजे के बीच की है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर कोतवाली पुलिस पहुंची, और डॉयल 112 वाहन से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया। युवक की स्थिति देखकर चिकित्सक उसे तत्काल ऑपरेशन थिएटर में ले गए, यहां चिकित्सकों की टीम ने पेट में घुसे खंजर को घंटों मशक्कत के बाद निकाला। घटना को आरोपी युवकों ने क्यों अंजाम दिया, इसका फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बौरीपारा का रितिक जायसवाल फेरी लगाकर कपड़ा बेचने का काम करता है। शनिवार को दिन में करीब 11.30 बजे वह चांदनी चौक से लगे रिंग रोड में गणपति पेट्रोल पम्प के सामने स्थित विनोद गुप्ता के दुकान में कोल्ड ड्रिंक के साथ सिगरेट पीते हुए गाना सुन रहा था। बताया जा रहा है कि इसी बीच पल्सर मोटरसायकल में सवार होकर तीन युवक पहुंचे और गाली देते हुए आसपास मौजूद लोगों को किनारे होने के लिए कहा। एक युवक देखते ही देखते युवक के पेट में आरीनुमा धारदार खंजर भोंक दिया और सभी मोटरसायकल में सवार होकर भाग गए। युवक उसके पेट में ही खंजर था, जिससे काफी खून का रिसाव हो रहा था। इसकी सूचना कोतवाली थाना में दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आहत युवक को तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल रवाना किया। आपातकालीन चिकित्सा परिसर में लहूलुहान युवक की हालत देखकर चिकित्सकों ने आवश्यक उपचार सुलभ कराने के बाद उसे तत्काल ऑपरेशन के लिए भेज दिया। घंटों मशक्कत के बाद चिकित्सक पेट के अंदर घुसे खंजर को निकालने में सफल हुए। आहत युवक का समाचार लिखे जाने तक उपचार चल रहा है।

मौके पर मौजूद आनन्द गुप्ता ने बताया कि घटना के समय वह गाड़ी लेने के लिए गैरेज की ओर जा रहा था। इस दौरान विनोद चाचा के दुकान में चाय, सिगरेट पीने के लिए रूका था। इसी बीच किसी दोपहिया वाहन में सवार होकर कुछ लोग पहुंचे और एक लड़का गाली-गलौज करते हुए खंजर भोंका और पेट में ही खंजर को छोड़कर अन्य साथियों के साथ भाग गया। घायल रितिक के भाई रोशन जायसवाल ने कहा कि बिना किसी बात के धक्का-मुक्की करते हुए उसके भाई पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिसमें उसे गंभीर जख्म पहुंचा है। पेट से खंजर निकलने के बाद ही उसकी स्थिति का पता चल पाएगा। दिनदहाड़े हुई घटना को लेकर व्यथित रोशन ने कहा कि पुलिस प्रशासन की नाकामी का ही परिणाम है, कि आए दिन कोई भी किसी पर हमला कर रहा है। घटना को अंजाम देने वाले युवकों में मायापुर के एक सोनकर युवक सहित अन्य लोगों का नाम लिया जा रहा है, लेकिन पुलिस की ओर से इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

सीसीटीव्ही फुटेज खंगाली पुलिस

घटना की जानकारी जैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को मिली, उन्होंने घायल की स्थिति का जायजा लेकर अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए तत्काल पुलिस टीम को रवाना करने के निर्देश दिए। मौके पर कोतवाली और साइबर थाना की पुलिस पहुंची और जांच, पड़ताल में लगी थी। मौके का सीसीटीव्ही फुटेज हासिल करने के लिए पुलिस ने डीबीआर को अपने कब्जे में लिया है, और अपराधियों का शिनाख्त करने के प्रयास में लगी है। पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हाथ-पांव मार रही है।

एक लीटर खून बहा, लीवर में 3×2 सेंटीमीटर का घाव

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय अंबिकापुर में किए गए इमरजेंसी ऑपरेशन में सामने आया कि मरीज के लीवर में चाकू से 3×2 सेंटीमीटर का घाव हुआ है, और करीब एक लीटर खून बहा है। ऑपरेशन शल्य चिकित्सा विभाग के डॉ. मनोज भारती के नेतृत्व में डॉ. आनंद कुमार एवं डॉ. इंद्रनील की टीम द्वारा पीड़ित युवपक का सफल ऑपरेशन किया गया। इस दौरान निश्चेतना विभाग से डॉ. दीपा, डॉ. अभिजीत भी उपस्थित थे। ऑपरेशन उपरांत मरीज की स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

नशेड़ियों पर लगाम नहीं

शहर में इन दिनों नशे के कारोबारियों की तादाद बढ़ गई है। कई बार जेल जाने के बाद पुनः नशे के कारोबार को गति देने में कारोबारी लगे हैं। पुलिस और आबकारी विभाग के द्वारा नशे का कारोबार रोकने के लिए हरसंभव पहल तो की जा रही है, लेकिन जेल से छूटने के बाद कारोबार को गति देने में लगे लोगों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। चांदनी चौक में जहां यह घटना हुई, वहां भी आसपास नशेड़ियों का जमघट लगे रहता है। ब्रम्हपारा में भी नशे का कारोबार बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है।

एसएसपी राजेश अग्रवाल 14 वर्ष की सेवा पूर्ण करके बने डीआईजी

आईजी सरगुजा रेंज ने कॉलर बैच लगाकर दी पदोन्नति

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भारतीय पुलिस सेवा के आवंटन वर्ष से 14 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर सरगुजा जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार अग्रवाल डीआईजी के पद पर पदोन्नत हुए। आईजी सरगुजा रेंज दीपक कुमार झा ने कॉलर बैच लगाकर इन्हें पदोन्नति प्रदान की। पदोन्नति प्राप्त डीआईजी राजेश कुमार अग्रवाल पूर्व में रायगढ़, जशपुर, सूरजपुर, बलरामपुर और कवर्धा में पुलिस अधीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। सराहनीय सेवा हेतु इन्हें पूर्व में राष्ट्रपति के सराहनीय सेवा पदक से नवाजा गया है।

बता दें कि राज्य सरकार द्वारा 23 जनवरी को भारतीय पुलिस सेवा के आवंटन वर्ष 2012 के अधिकारियों को आवंटन वर्ष से 14 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर मैट्रिक्स लेवल 13-क वेतनमान प्रदान किया गया है। इसके तहत राज्य के आठ पुलिस अधिकारी जो कि भारतीय पुलिस सेवा के 2012 बैच के अधिकारी हैं, उन्हें यह पदोन्नति प्रदान की गई है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के एसएसपी आईपीएस राजेश कुमार अग्रवाल को आईजी सरगुजा रेंज सरगुजा द्वारा कॉलर बैच लगाकर पदोन्नति प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि राजेश कुमार अग्रवाल वर्तमान में सरगुजा जिले में एसएसपी के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने जिले में अपराधों के रोकथाम, निराकरण के दिशा में सराहनीय कार्य किया है। पदोन्नत डीआईजी पूर्व में पांच जिलों में पुलिस अधीक्षक के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं, और छठवें जिला सरगुजा में भी उनका कार्यकाल काफी सफल रहा है। अपराधियों के लिए सख्त व जनता के लिए सौम्य व्यवहार के लिए वे जाने जाते हैं। उन्होने जिले में पुलिसिंग को बेहतर बनाने की दिशा में कई प्रयास किया है। इनके नेतृत्व एवं कुशल मार्गदर्शन में पुलिस टीम द्वारा कई बड़े मामलों का खुलासा चंद घंटों में किया है। जिले की कानून व्यवस्था में सुधार, अपराधों के रोकथाम, समाजिक बुराईयों पर रोकथाम, गंभीर अपराधों पर इनके मार्गदर्शन में पुलिस द्वारा बेहतर कार्रवाई की गई है।

वन विभाग ने अवैध लकड़ी लोड ट्रक को जप्त किया

छ.ग.फ्रंटलाइन बतौली। वन विभाग द्वारा अवैध कटाई एवं वनोपज तस्करी के विरुद्ध लगातार की जा रही कार्रवाई के बीच 23 जनवरी को बिशनपुर से अंबिकापुर की ओर अवैध रूप से वनोपज लोड करके जा रहे ट्रक को जप्त किया है।

कार्रवाई वन परिक्षेत्र अधिकारी विजय तिवारी के नेतृत्व में मिली गोपनीय सूचना के आधार पर की गई। कार्रवाई के दौरान ट्रक क्रमांक सीजी 15 डीसी 9203 में अवैध रूप से लोड वनोपज पाई गई। जप्त सामग्री एवं वाहन की अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ लाख रुपये बताई जा रही है। वन विभाग मामले की विस्तृत जांच कर रहा है। संपूर्ण प्रकरण में छत्तीसगढ़ वन अधिनियम के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि वन संपदा की सुरक्षा सुनिश्चित करना एवं अवैध गतिविधियों पर पूर्णतः रोक लगे, इसके लिए अवैध कटाई या तस्करी की सूचना तत्काल वन विभाग को दें, ताकि उचित कार्रवाई की जा सके।

भीड़ भरी सड़क पर बेखौफ स्टंटबाजी, 8 वाहनों को जब्त करके अपराध दर्ज की पुलिस

वाहन सवार बेखौफ होकर लोगों की जान डाल रहे थे खतरे में, अन्य वाहनों की तलाश जारी पुलिस

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा पुलिस के द्वारा जहां एक ओर सड़क सुरक्षा माह चलाया जा रहा है, वहीं शहर के अंदर भीड़भाड़ वाले मार्ग पर डेढ़ दर्जन से अधिक वाहनों में सवार युवकों के द्वारा स्टंटबाजी का मामला सामने आने के बाद हरकत में आई पुलिस ने आठ वाहनों को जब्त कर लिया है।

पुलिस को 23 जनवरी को शाम करीब 4.30 बजे सूचना मिली थी कि शहर के मुख्य चौक-चौराहों में अज्ञात युवकों के द्वारा स्कार्पियो, इनोवा एवं अन्य कारों की खिड़कियों से बाहर निकलकर और बैठकर स्टंटबाजी करते हुए स्वयं एवं अन्य नागरिकों के जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। इनके द्वारा खतरनाक तरीके से तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुये मुख्य मार्गों में घूमने की सूचना पर उप पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल ने पुलिस टीम को वाहन चालकों के विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने शहर के चौक-चौराहों में लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज देखा और वाहन कमांक सीजी 29 एसी 1487, सीजी 15 सीजेड 4967, सीजी 15 ईए 5881, सीजी 15 ईबी 4743, सीजी 15 ईएफ 9972, जेएच 01 बीके 3109, सीजी 15 ईएच 5881, सीजी 15 ईजी 3141, सीजी 15 ईजे 3345, बीआर 06 डीसी 7751, सीजी 15 ईएच 2824, यूपी 67 के 4546, सीजी 15 सीजेड 4868 व अन्य वाहनों के चालकों के द्वारा उपरोक्त कृत्य करना पाया। कोतवाली थाना पुलिस ने मामले में अपराध क्रमांक 47/26, धारा 125, 281, 285, 3(5) बी.एन.एस. एवं धारा 184 मोटरयान अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध किया है।

इन वाहनों को जब्त की पुलिस

पुलिस टीम ने उपरोक्त वाहनों की पहचान करने के बाद 08 चार पाहिया वाहनों में इनोवा वाहन क्रमांक सीजी 15 ईएच 2824, इनोवा वाहन क्रमांक यूपी 81 बीवाई 7272, इनोवा वाहन क्रमांक यूपी 65 डीटी 5162, स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 15 सीवी 2248, स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 15 डीसी 6274, स्कार्पियो वाहन क्रमांक जेएच 01 सीडी 5513, स्कार्पियो वाहन क्रमांक सीजी 29 ए 4508, आर्टिगा वाहन क्रमांक सीजी 15 ईएफ 9972 को जप्त कर वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जा रही है। अन्य वाहनों के तलाश में पुलिस लगी है। मामले में अग्रिम जांच, विवेचना कार्रवाई जारी है।

लाइसेंस निरस्त करने की होगी कार्रवाई

सरगुजा पुलिस ने अपील की है कि अभिभावक अपने बच्चों को बिना लाइसेंस वाहन चलाने के लिए नहीं दें। यातायात के नियमों का पालन करने हेतु जागरूक करें। ऐसे वाहन चालक जो सड़क पर लापरवाही से वाहनों में बैठकर रील बनाते हैं अथवा प्रदर्शन करने के लिए स्टंट करते पाए जाएंगे, उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी और अपराध दर्ज करके संबंधित वाहनों को जब्त किया जाएगा। ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

दोपहिया वाहन चोरी के दो मामले में शामिल आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मणीपुर थाना पुलिस टीम ने दोपहिया चोरी के दो मामलों में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया एक्टिवा स्कूटी और मोटरसायकल बरामद करने में पुलिस सफल हुई है।

जानकारी के मुताबिक सुधीर कुमार तिवारी निवासी किसान राइस मिल के पास नमनाकला 29/12/25 को स्वयं का इलाज कराने के लिए स्कूटी क्रमांक सीजी 15 सीएक्स 7896 से जिला अस्पताल गए थे। इसी बीच स्कूटी वाहन को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया था। दूसरे मामले में उदय राम निवासी जयनगर का मोटरसायकल क्रमांक सीजी 15 डीए 5812 जिला अस्पताल से 15/12/25 को उस समय वाहन पार्किंग स्थल से किसी ने पार कर दिया जब वह अपने पिता के लिए खाना छोड़ने अस्पताल के अंदर गया था। दोनों मामले में पुलिस अपराध दर्ज करके विवेचना में लगी थी। दौरान विवेचना पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदेही ुछ दिन पूर्व चोरी की स्कूटी एवं मोटरसायकल में घूमते दिखा था। पुलिस टीम संदेही इरफान उर्फ धनु अंसारी पिता अब्दुल गफार अंसारी 30 वर्ष निवासी हरसागर तालाब मोमिनपुरा को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ की तो उसने चोरी की गई मोटरसायकल एवं स्कूटी को साड़बार नाला के किनारे छिपाकर रखना स्वीकार किया। आरोपी के निशानदेही पर दोनों वाहन को पुलिस ने बरामद कर लिया है, जिसकी कीमत 01 लाख रुपये है। आरोपी को गिरफ्तार करके न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई में थाना प्रभारी मणीपुर उपनिरीक्षक सी.पी. तिवारी, सहायक उप निरीक्षक अनिल सिंह, प्रधान आरक्षक विजय रवि, नारायण चौधरी, आरक्षक उमाशंकर साहू, सत्येंद्र दुबे, अनिल सिंह, कोतवाली थाना से आरक्षक विवेक राय, नितिन सिन्हा सक्रिय रहे।

जनगणना 2027 के लिए 16 कार्मिकों की होगी नियुक्ति, एजेंसियों से निविदा आमंत्रित

छ.ग.फ्रंटलाइन अबिकापुर। भारत की जनगणना 2027 कार्य हेतु जिला कार्यालय सहित जिले के अंतर्गत समस्त तहसीलों एवं नगरीय निकायों में कुल 16 कार्मिक, 14 तकनीकी सहायक एवं 02 बहु-कार्य कर्मचारी (एम.टी.एस.) हेतु 18 माह की अवधि के लिए एजेंसी के मध्यम से नियुक्ति किया जाना है। इस हेतु इच्छुक पंजीकृत फर्मों, प्लेसमेंट एजेंसी, लेबर सप्लायर, ठेकेदार, पंजीकृत एनजीओ से 10 फरवरी 2026 को अपरान्ह 03 बजे तक बंद लिफाफे में निविदा दर आमंत्रित की गई हैं। प्राप्त निविदाओं को उसी दिन शाम 04 बजे खोला जाएगा। निविदा से संबंधित प्रारूप, शर्तें एवं विस्तृत जानकारी जिले की अधिकारिक वेबसाइट तथा संबंधित कार्यालय के सूचना पटल पर अवलोकन हेतु उपलब्ध है।

पीपरसोत के ग्रामीणों का दु:ख बांटने पहुंचे नेताम, शोकाकुल परिवार को बंधाया ढांढस

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। ओरसा घाटी में हुई हृदयविदारक बस दुर्घटना के बाद, प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम आज ग्राम पीपरसोत पहुँचे।

ग्रामीणों के बीच पहुँचकर उन्होंने हादसे में अपनों को खोने वाले परिजनों के साथ बैठकर उनका ढांढस बंधाया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। मंत्री श्री नेताम ने कहा कि इस आकस्मिक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है और पीड़ित परिवारों की इस अपूरणीय क्षति की भरपाई करना संभव नहीं है, किंतु राज्य सरकार इस दुखद घड़ी में हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। ग्राम पीपरसोत में आत्मीय चर्चा के दौरान जब परिजनों ने अपनों के अंतिम क्रिया-कर्म हेतु वाराणसी (बनारस) जाने की इच्छा जताई, तो मंत्री जी ने संवेदनशीलता दिखाते हुए बनारस जाने हेतु सुरक्षित परिवहन करने की बात कही। इस दौरान ग्रामीण परिवारों ने मंत्री के समक्ष अपनी समस्याओं को भी रखा जिस पर उन्होंने समाधान के लिए आश्वस्त किया। मंत्री श्री नेताम ने मौके पर ही उपस्थित अनुविभागीय अधिकारी को निर्देशित कर आवश्यक निर्देश भी दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ प्रभावितों तक मदद पहुंचाएं। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को घायलों के बेहतर उपचार, देखभाल के सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि उन्हें घर पर ही सुचारू उपचार मिल सके।

घायलों से मिले कृषि मंत्री

जिला चिकित्सालय पहुँचकर मंत्री श्री रामविचार नेताम ने घायलों से मिलकर उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने घायलों और उनके परिजनों से आत्मीय संवाद करते हुए डॉक्टरों को निर्देश दिया कि बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं। मंत्री ने कहा कि प्रत्येक घायल का शीघ्र स्वस्थ होना हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हर संभव चिकित्सीय संसाधन उपलब्ध कराया जाएगा। इस दौरान मंत्री श्री नेताम ने घायलों को आर्थिक सहायता राशि भी प्रदान की। इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री धीरज सिहंदेव, रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री ओमप्रकाश जायसवाल सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

बलरामपुर बंद खदान को शुरू कराने आमरण अनशन दूसरे दिन भी जारी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की बलरामपुर एवं कुमदा खदानों को पुन: शुरू कराने की मांग को लेकर एचएमएस संगठन द्वारा किया जा रहा आमरण अनशन आज दूसरे दिन भी जारी रहा। क्षेत्रीय महाप्रबंधक कार्यालय बिश्रामपुर के सामने चल रहे चरणबद्ध आंदोलन के तहत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार 23 जनवरी से संगठन द्वारा आमरण अनशन शुरू किया गया है, जिसमें एचएमएस के क्षेत्रीय महामंत्री देवेंद्र मिश्रा सपत्नीक श्रीमती सुलेखा मिश्रा के साथ आमरण अनशन में बैठे हैं।आमरण अनशन के दूसरे दिन आंदोलन को अपना समर्थन देने बैकुंठपुर एरिया से हरि यादव, दिनेश शर्मा, भटगांव क्षेत्र से तेज बहादुर, नीरू श्रीवास्तव, इंटक से अजीत यादव, एचएमएस संगठन से लखन लाल कुर्रे, सूर्यबली यादव, पीके सिंह, केबी सिंह, प्रेमचंद सिंह, रमेंद्र सिंह, शिवाकांत मिश्रा, नरेंद्र सिंह चौहान, फिरन लाल चौहान, उमेश सिंह, शिवनारायण, होमदास, श्रवण यादव, इरफान, राम शंकर, राम भरोस, विजय, केपी चौरसिया, राजमणि पटेल, देव चौधरी व अन्य उपस्थित थे।

कलेक्टर और एसपी ने विभिन्न धान खरीदी केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर चल रहे धान खरीदी का कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने विकासखण्ड बलरामपुर के कपिलदेवपुर व वाड्रफनगर के डोंगरो धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिकता के साथ किसानों से चर्चा कर उनका हाल-चाल जाना एवं समस्याएं भी सुनी।

कलेक्टर श्री कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री बेंकर ने कपिलदेवपुर एवं डोंगरो खरीदी केंद्र पहुंचकर समिति प्रबंधक से धान विक्रय हेतु पंजीकृत किसानों तथा खरीदे गए धान की मात्रात्मक जानकारी ली, साथ ही साथ कुल काटे गये टोकन की जानकारी लेते हुए समिति प्रबंधक से खरीदी हेतु बनाये गये रोस्टर के का पालन करते हुए खरीदी करने के निर्देश दिये। इस दौरान उन्होंने समिति में रखे बारदानों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कोचियों तथा बिचौलियों से धान की बिल्कुल खरीदी न हो, केंद्र में धान जाम न हो, इसके लिए धान का निरंतर उठाव करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने धान खरीदी केंद्र में आए कृषकों से चर्चा कर पूछा कि उन्हें धान विक्रय करने में किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है तथा खरीदी प्रभारी को किसानों से सहयोगपूर्ण व्यवहार करने को कहा।

आईटीआई रामचन्द्रपुर में 5 फरवरी को होगा प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामचन्द्रपुर के प्राचार्य ने जानकारी दी है कि संस्थान में पीजी इलेक्ट्रोप्लास्ट लिमिटेड के द्वारा 05 फरवरी 2026 को 500 पदों की पूर्ति के लिए प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें असेम्बली ऑपरेटर/ मशीन ऑपरेटर/ क्वालिटी/ हेल्फर/ मॉडलिंग ऑपरेटर के पद रिक्त हैं। इच्छुक उम्मीदवार 05 फरवरी 2026 को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान रामचन्द्रपुर में उपस्थित होकर गुगल फॉर्म के माध्यम से अपना ऑनलाइन/ ऑफलाइन पंजीयन करा सकते हैं। इन पदों के लिए 10वीं एवं 12वीं तथा आईटीआई डिप्लोमा की योग्यता अनिवार्य होगी।

असंगठित श्रमिकों व व्यापारियों के लिए पेंशन योजनाओं का विस्तार

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी दी है कि असंगठित श्रमिकों एवं व्यापारियों की सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एवं व्यापारियों व स्व नियोजित व्यक्तियों के लिए पेंशन योजना का संचालन किया जा रहा है। उक्त योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों का पंजीयन के लिए श्रम विभाग, पंचायती राज संस्थाओं, नगरीय निकायों एवं सीएससी के माध्यम से दो चरणों में विशेष शिविर आयोजित की जाएगी। जिसके अंतर्गत प्रथम चरण में 15 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक शहरी क्षेत्रों में एवं द्वितीय चरण में 16 फरवरी से 15 मार्च 2026 तक ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष पंजीयन शिविर लगाए जायेंगे। श्रम पदाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को असंगठित श्रमिकों जैसे मितानीन, रसोईया, स्वीपर, सफाई कर्मकार, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका, ए.एन.एम., रोजगार सहायक, कोटवार, हमाल एवं व्यापारियों का विशेष पंजीयन शिविर लगाकर योजना में हितग्राहियों का पंजीयन सुनिश्चित कराने को कहा है।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने सीमावर्ती धान खरीदी केन्द्र एवं चेकपोस्ट का किया निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने आगामी दिनों में होने वाली धान खरीदी को देखते हुए उत्तरप्रदेश व मध्यप्रदेश के सीमावर्ती धान खरीदी केन्द्रों व चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया।

धान खरीदी के अंतिम दिनों में बिचौलियों और कोचियों की सक्रियता बढ़ने की आशंका के दृष्टिगत व्यवस्थाओं का जायजा लेने पहुंचे कलेक्टर और एसपी ने अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों में धान के अवैध परिवहन पर कड़ी निगरानी रखें। धान खरीदी केंद्रों में पहुंचकर कलेक्टर श्री कटारा ने समिति प्रबंधकों से खरीदी व उठाव के बारे में जानकारी ली। उन्होंने धान के आवक से खरीदी प्रभावित न हो इस आशय से धान का सतत उठाव कराने के निर्देश दिये। ताकि आगामी दिनों में होने वाली खरीदी प्रभावित न हो।

उन्होंने समिति प्रबंधक से धान विक्रय हेतु पंजीकृत कुल किसानों की संख्या तथा खरीदे गए धान की मात्रात्मक जानकारी ली। उन्होंने समिति प्रबंधक तथा नोडल अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अवैध धान पर सतर्कता बरतते हुए कोचियों

तथा बिचौलियों कड़ी नजर रखें। उन्होंने धान खरीदी केंद्र में आए कृषकों से धान खरीदी के संबंध में चर्चा कर जाना कि किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही है इस दौरान उन्होंने समिति प्रबंधक को भी आवश्यक निर्देश दिए।

विभिन्न चेकपोस्ट का किया निरीक्षण

जिले में अवैध धान की आवक को रोकने और किसानों को सुगम खरीदी प्रक्रिया प्रदान करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा एवं एसपी श्री वैभव बेंकर ने सीमावर्ती चेक पोस्टों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चेक पोस्टों में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर एवं एसपी ने बलंगी बॉर्डर, धनवार, हल्दीमोड़, त्रिशूली एवं रामानुजगंज चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने इन चेक पोस्टों पर तैनात कर्मचारियों को अवैध धान की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि पड़ोसी राज्यों से आने वाले प्रत्येक वाहनों की सघन जांच की जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि रजिस्टर पंजी में वाहन का नाम, नंबर और आने का उद्देश्य अवश्य रूप से दर्ज करें। साथ ही उन्होंने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी की जांच की और निर्देशित किया कि ड्यूटी रोस्टर के अनुरूप अधिकारी या कर्मचारी उपस्थित रहें। उन्होंने चेक पोस्टों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। उन्होंने चेक पोस्टों पर सतर्कता बनाए रखने और अवैध धान की आवक पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ध्वजारोहण कर लेंगी परेड की सलामी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में 77 वां गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह पुलिस लाईन ग्राउंड बलरामपुर में आयोजित किया जायेगा।

मुख्य समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग व समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगी। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि श्रीमती राजवाड़े मुख्यमंत्री द्वारा जनता के नाम प्रेषित संदेश का वाचन करेंगी तथा देश के लिए शहीद हुए परिवारों को सम्मानित करेंगी। इसके साथ ही मुख्य समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों प्रस्तुति होगी। वहीं शासन की विभिन्न योजनाओं पर आधारित योजनाओं का झांकी के माध्यम से प्रदर्शित की जाएगी तथा जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को मुख्य अतिथि द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

77 वें गणतंत्र दिवस का फाइनल रिहर्सल सम्पन्न

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने लिया तैयारियों का जायजा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया जाएगा। जिसके तैयारी के लिए कार्यक्रम के रूपरेखा के अनुसार पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में फाइनल रिहर्सल किया गया। कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा और पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय स्थित आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह के फाइनल रिहर्सल का निरीक्षण किया।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। परेड कमांडर द्वारा मुख्य अतिथि को परेड निरीक्षण हेतु रिपोर्ट किया गया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि ने निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण के पश्चात् मुख्य अतिथि ने मुख्यमंत्री के संदेश का प्रतीकात्मक वाचन

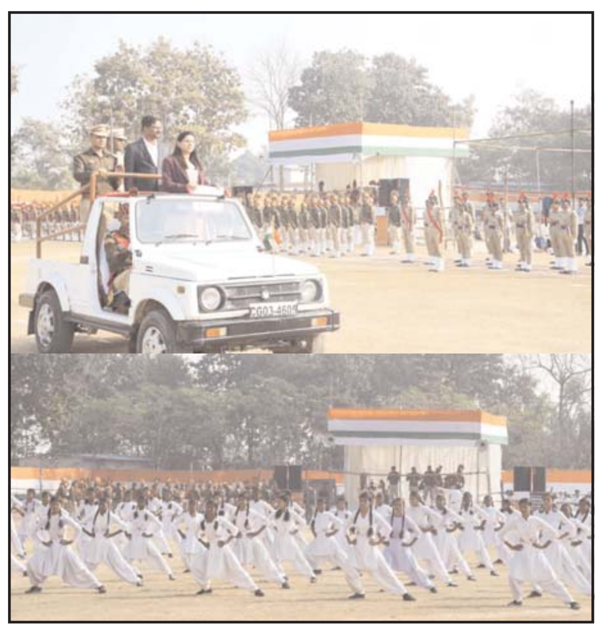

किया। इस दौरान पुलिस के जवानों द्वारा राष्ट्रगान के धुन पर तीन बार हर्ष फायर किया गया। पुलिस के जवानों एवं स्कूली बच्चों ने पूर्ण गणवेश में मार्च पास्ट किया। परेड के मार्च पास्ट के पश्चात् मुख्य अतिथि के साथ परेड कमाण्डरों का परिचय एवं ग्रुप फोटो का आयोजन किया गया। तत्पश्चात स्कूली बच्चों के द्वारा देशभक्ति गीतों तथा छत्तीसगढ़ी के विकास गौरव गाथा पर आधारित विभिन्न सांस्कृति कार्यक्रम प्रस्तुत किये गया। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शानदार कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु शुभकामनाएं दी। कलेक्टर श्री कटारा ने उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारियों को समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश पुलिस अधिकारियों को दिये।

इस अवसर अपर कलेक्टर श्री आर एस लाल, श्री अभिषेक गुप्ता, सहित जिला स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी, विभिन्न विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

सारथी दिवस पर प्रेरणास्त्रोत वाहन चालकों को कलेक्टर एवं एसपी ने किया सम्मानित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। 37 वां राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान पुलिस प्रशासन (यातायात विभाग) द्वारा उल्लेखनीय पहल करते हुए सारथी दिवस पर सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 25 वाहन चालकों को सम्मानित किया गया। पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित सारथी सम्मान दिवस में कलेक्टर श्री राजेंद्र कटारा एवं पुलिस अधीक्षक श्री वैभव बेंकर ने वाहन चालकों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर मौजूद रही।

सम्मानित किए गए वाहन चालकों का चयन उनके अनुशासन, यातायात नियमों का सख्ती से पालन, नशा मुक्त वाहन चलाने और दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करने जैसे गुणों के आधार पर किया गया। ये सारथी न केवल अपने कार्य में कुशल हैं, बल्कि समाज को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। जिसमें सरकारी, निजी और व्यावसायिक क्षेत्रों से जुड़े विभिन्न प्रकार के वाहन चालकों को सम्मानित किया गया। इनमें यात्री बस, स्कूल बस, अग्निशमन, एम्बुलेंस, पुलिस वाहन के चालक शामिल है। इन 25 सारथियों ने अपने उत्कृष्ट व्यवहार से समाज में एक मिसाल कायम की है।

कलेक्टर श्री कटारा ने इन वाहन चालकों को अन्य चालकों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बताते हुए कहा कि उनका जिम्मेदारी पूर्ण व्यवहार अन्य वाहन चालकों को भी प्रेरित करेगा। कलेक्टर ने सभी से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और दूसरों को भी पालन के लिए प्रेरित करें। इस दौरान पुलिस अधीक्षक श्री बेंकर ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक नियम नहीं, बल्कि हम सभी की जिम्मेदारी है। जिससे न केवल हमारा, बल्कि समाज की भी सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

गौरतलब है कि सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या हैं। तेज गति से शराब पीकर गाड़ी चलाना और यातायात नियमों का पालन न करना जैसी लापरवाहियों के चलते लोग अपनी जान गंवाते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार द्वारा हर साल जनवरी महीने को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।जिले में भी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। सेमिनार और कार्यशालाओं के माध्यम से लोगों को सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में बताया जा रहा है और यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मेरा भारत मेरा वोट थीम पर मनाया जाएगा 16 वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी 2026 को भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, रायपुर द्वारा दिए गए निर्देशानुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाना है। बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में भी कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं स्वीप की नोडल अधिकारी व जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में सयुंक्त जिला कार्यालय के सभा कक्ष में दोपहर 12 बजे से 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम मेरा भारत मेरा वोट की थीम पर आयोजन किया गया है।

इस अवसर पर सभी अधिकारी-कर्मचारी के द्वारा मतदान के प्रति शपथ लिया जाएगा। इस सम्बंध में कलेक्टर श्री कटारा ने समस्त कार्यालय प्रमुखों को अपने अधीनस्थ अधिकारी-कर्मचारियों के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शैक्षणिक संस्थाओं के भावी मतदाताओं को भी उपस्थित कराने को कहा है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तर से होंगे सम्मानित

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राज्य स्तरीय समारोह में सरगुजा संभाग से बलरामपुर रामानुजगंज जिले के विधानसभा क्षेत्र सामरी के सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं नायब तहसीलदार श्री दानिश परवेज, जिला निर्वाचन कार्यालय के सहायक प्रोग्रामर श्री आशीष कुमार द्विवेदी को सम्मानित किया जाएगा।

भारत माला घोटालाः तीन लोकसेवकों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान पेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतमाला परियोजना के तहत रायपुरझविशाखापट्टनम प्रस्तावित इकोनॉमिक कॉरिडोर में हुए मुआवजा घोटाले के मामले में एसीबीझईओडब्ल्यू की टीम ने तीन लोकसेवकों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), रायपुर में प्रस्तुत किया है। ब्यूरो में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 30/2025 के तहत यह कार्रवाई की गई है। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 सी और 12 तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 409, 467, 471, 420 और 120-बी के तहत आरोप दर्ज हैं। जांच में सामने आया है कि लोकसेवकों, मुआवजा प्राप्त करने वाले व्यक्तियों और अन्य आरोपियों ने आपराधिक षड्यंत्र के तहत भू-अर्जन प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं कीं। आरोप है कि शासन द्वारा पूर्व में अर्जित भूमि को दोबारा शासन को विक्रय कर मुआवजा दिया गया, निजी भूमि पर गलत मुआवजा स्वीकृत किया गया, बैकडेट में बंटवारा और नामांतरण किए गए, भूमि स्वामी के स्थान पर अन्य व्यक्तियों को मुआवजा दिलाया गया और कृत्रिम उपखंड बनाकर शासन को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। विवेचना में यह तथ्य सामने आया कि दिनेश पटेल (तत्कालीन पटवारी, हल्का नं. 49, ग्राम नायकबांधा), लेखराम देवांगन (तत्कालीन पटवारी, ग्राम टोकरो, हल्का नं. 24) और बसंती घृतलहरे (तत्कालीन पटवारी, ग्राम भेलवाडीह) ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भूमाफियाओं और निजी व्यक्तियों से साठगांठ कर कूटरचित दस्तावेज तैयार किए। तीनों को 29 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार किया गया था।

जांच में सामने आई भूमिकाएं

दिनेश पटेल पर आरोप है कि उन्होंने खाता दुरुस्ती, प्रपत्र-10 और आपत्ति निराकरण की प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए अधिग्रहीत भूमि को कृत्रिम उपखंडों में दशार्या, जिससे अधिक मुआवजा भुगतान हुआ। इससे शासन को करीब 30.82 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति हुई। लेखराम देवांगन पर आरोप है कि उन्होंने मूल खसरों को कृत्रिम उपखंडों में दिखाकर वास्तविक देय राशि से कहीं अधिक मुआवजा दिलाया। इससे शासन को लगभग 7.16 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। बसंती घृतलहरे पर आरोप है कि उन्होंने अवार्ड चरण में मूल खसरों को कृत्रिम रूप से विभाजित दिखाकर अधिक मुआवजा भुगतान की स्थिति बनाई, जिससे शासन को करीब 1.67 करोड़ रुपये की क्षति हुई। एसीबीझईओडब्ल्यू ने स्पष्ट किया है कि गिरफ्तार तीनों लोकसेवकों के खिलाफ प्रथम पूरक चालान पेश किया जा चुका है, जबकि प्रकरण में अन्य आरोपियों के विरुद्ध विवेचना अभी जारी है।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक्शन रिसर्च पर तीन दिवसीय कार्यशाला संपन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर में मुहिम फाउंडेशन फॉर पार्टिसिपेटरी एक्शन एंड ट्रांसफॉर्मेशन के सहयोग से एक्शन रिसर्च सर्टिफिकेट कोर्स पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई द्य यह कार्यशाला महाविद्यालय के सोशल इनोवेशन एवं कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल द्वारा प्रस्तावित प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का हिस्सा है। युवा छात्रों को उनके समुदायों में सार्थक परिवर्तन लाने हेतु व्यावहारिक शोध कौशल से लैस करने के लिए डिजाइन इस कार्यक्रम में रश्डट नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज बैंगलोर के सहायक प्राध्यापक श्री आनंद प्रकाश ने तीन दिन तक प्रशिक्षण प्रदान किया। यह कार्यशाला करके सीखने पर आधारित थी जिससे कुल 37 छात्रों ने स्थानीय समस्याओं की पहचान करने व उसका व्यवस्थित अध्ययन कर समस्या का व्यावहारिक समाधान विकसित करने की प्रक्रिया को समझा। साथ ही प्रतिभागियों ने मुद्दों की पहचान, समस्या प्रश्न निर्माण, शोध पद्धति और डेटा संकलन में दक्षता विकसित की। कार्यशाला में विषय से सम्बंधित अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए जैसे सामुदायिक मुद्दों को समझना और चुनना, स्थानीय मुद्दों को शोध योग्य समस्याओं के रूप में प्रस्तुत करना, शोध प्रश्न विकसित करना, डेटा और साक्ष्य की बुनियादी बातें, डेटा संकलन प्रथाएं, शोध नैतिकता तथा लघु शोध योजना तैयार करना। कार्यशाला में शामिल सभी विद्यार्थियों ने अपनी शोध योजना तैयार कर विशेषज्ञों के समक्ष प्रस्तुत किया द्यकोर्स के दौरान विद्यार्थी इन्हीं योजनों को लेकर अपने सामाजिक समूह के बीच कार्य करेंगे। समापन समारोह में अपर संचालक उच्च शिक्षा प्रोफेसर रिजवान उल्ला, सोशल इनोवेशन एवं कम्युनिटी एंगेजमेंट सेल के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह, प्रोफेसर राज कमल मिश्रा और प्रोफेसर राजेश सिंह, मुहिम फाउंडेशन के कार्यकारी निदेशक श्री ऋषिकेश ठाकुर उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मां दंतेश्वरी मंदिर में बड़ी चोरी, लाखों के सोने-चांदी के आभूषण ले उड़े चोर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जगदलपुर। बस्तर जिले के जगदलपुर में स्थित आस्था के प्रमुख केंद्र मां दंतेश्वरी मंदिर में चोरी की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। अज्ञात चोरों ने मंदिर के पीछे का दरवाजा तोड़कर लाखों रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह वारदात सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के राजमहल परिसर स्थित मां दंतेश्वरी मंदिर की है। शनिवार सुबह जब पुजारी और श्रद्धालु पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे, तो उन्होंने पीछे का दरवाजा टूटा हुआ पाया। मंदिर के गर्भगृह से सोने-चांदी के आभूषण गायब थे, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चोर गर्भगृह के पास स्थित पुराने द्वार को तोड़कर मंदिर के भीतर दाखिल हुए और वहां रखे कीमती गहनों पर हाथ साफ कर दिया। चोरी गए आभूषणों की कुल कीमत का आंकलन फिलहाल किया जा रहा है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। मंदिर जैसी पवित्र जगह में हुई इस चोरी की घटना से श्रद्धालुओं में भारी रोष और चिंता का माहौल है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।विवि में शिक्षकों की नियुक्ति में अनियमितताःहाईकोर्ट ने दो माह के भीतर निर्णय लेने दिया आदेश

राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर जिले में विशेष विधिक जागरुकता शिविरों का हुआ आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा के मार्गदर्शन में 24 जनवरी 2026 को बालिका दिवस के अवसर पर विशेष विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। विधिक जागरुकता शिविर महिला एवं बाल विकास विभाग सरगुजा तथा शिक्षा विभाग सरगुजा के सहयोग से जिले के विभिन्न तहसीलों में आयोजन कर लोगों को महिला संबंधी विधिक जानकारी प्रदान की गई। महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से राजमोहनी देवी भवन अम्बिकापुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ विधिक जागरुकता शिविर का भी आयोजन किया गया था। इसके साथ ही शाउ.मा.वि. उदयपुर, शा. उ. मा.वि पुलिस लाईन, शा. उ.मा.वि. शिवनाथपुर, शा. आई.टी.आई अम्बिकापुर, केदारपुर स्कूल अम्बिकापुर, विधि विभाग पी.जी. कॉलेज अम्बिकापुर, शा. मल्टीमरपज मिडिल स्कूल अम्बिकापुर, स्वामी आत्मानंद स्कूल धौरपुर, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल लखनपुर में आयोजित विधिक जागरुकता शिविरों के माध्यम से लगभग 1500 लाभान्वितों को महिला संबंधी विधि पर जागरुक किया गया।

डॉ पुष्पा सिंह प्रेरणा की दो पुस्तकों का विमोचन समारोह सम्पन्न

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पुष्पा सिंह प्रेरणा की दो पुस्तकों - उपन्यास ₹प्रेम पथिक₹ और आत्मकथ्य ₹मुझे मैं पसंद हूँ₹ का विमोचन होटल वीरेंद्र प्रभा के सभागार में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर साहित्य जगत के कई प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीलोत्पल मृणाल थे, जिन्हें ₹डार्क हॉर्स₹ के लिए साहित्य अकादमी का युवा पुरस्कार प्राप्त हुआ है। विशिष्ट अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर एवं नयन तारा सिंह तोमर जिला पंचायत बलरामपुर सीईओ उपस्थित थे। नीलोत्पल मृणाल ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विषय तो वही हैं जिन पर बरसों से लिखा जा रहा है, आप केवल नयी उपमा दे सकते हैं, उपमा बदल सकते हैं अर्थात उपमा में नयापन लाना लेखन को विशिष्ट बनाता है। उन्होंने डॉ पुष्पा सिंह के लेखन की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने भीतर के ब्रह्म का सम्मान करके इन्होंने यह बात कही की ₹मुझे मैं पसंद हूँ।₹ उन्होंने लेखन को बहुत कठिन काम बताया, लेकिन कहा कि यह बहुत सुंदर है और डॉ पुष्पा सिंह प्रेरणा निरन्तर लिख रही हैं, इसलिए मैं उन्हें दिल से शुभकामना देता हूँ। उल्लेखनीय है कि डॉ पुष्पा सिंह प्रेरणा ने अब तक 11 विभिन्न विषयों पर पुस्तकों की रचना की है। उनकी इस उपलब्धि ने उन्हें साहित्य जगत में एक विशिष्ट स्थान दिलाया है। कार्यक्रम में स्थानीय कवि श्याम बिहारी पाण्डेय (रऊड फारेस्ट), कृष्ण कांत पाठक तथा संतोष दास सरल ने काव्यपाठ किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन वरिष्ठ कवि राजेश पाण्डेय अब्र ने किया।

मुख्यमंत्री साय ने कोतबा क्षेत्र को दी विकास की बड़ी सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव/ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज विधानसभा क्षेत्र पत्थलगांव अंतर्गत नगर पंचायत कोतबा में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र को विकास की बड़ी सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कुल 51 करोड़ 73 लाख रुपये की लागत से पूर्ण होने वाले 28 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री के इस दौरे से पत्थलगांव विधानसभा क्षेत्र सहित कोतबा और आसपास के ग्रामीण अंचलों में बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा और पेयजल व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुँचाना है। सुदूर और आदिवासी अंचलों में अधोसंरचना विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं, सुगम आवागमन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के नागरिकों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा।

27 करोड़ 24 लाख रुपये के 19 कार्यों का भूमिपूजन

कोतबा में मुख्यमंत्री द्वारा 27 करोड़ 24 लाख रुपये की लागत से 19 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया। इनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत ग्राम दोकड़ा में मिनी स्टेडियम, मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजना के तहत पुलिया निर्माण, लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न सड़कों एवं पहुंच मार्गों का निर्माण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा परियोजना कार्यालय सह संसाधन केंद्र भवन, तथा कोतबा में 50 बिस्तरीय नवीन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निर्माण प्रमुख है। इसके साथ ही सेतु निर्माण उपसंभाग द्वारा उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के तहत शासकीय उद्यान

रोपणी कार्यालय व आवास भवन, आदिम जाति कल्याण विभाग अंतर्गत धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बागबहार एवं बुलडेगा में कन्या आश्रम एवं लुड़ेग में प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास, मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं ग्राम गौरव पथ योजना के तहत सी.सी. सड़क व नाली निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं।

24 करोड़ लाख रुपये के 9 कार्यों का लोकार्पण

मुख्यमंत्री ने 24 करोड़ 49 लाख रुपये की लागत से पूर्ण हुए 9 कार्यों का लोकार्पण भी किया। इनमें पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सी.सी. सड़क निर्माण, लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न ग्रामीण व मुख्य सड़कों का निर्माण एवं मजबूतीकरण, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा बागबहार में तहसील कार्यालय भवन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा कोतबा जल आवर्धन योजना, तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा लुड़ेग में महतारी सदन निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं।

स्वास्थ्य, सड़क और जल आपूर्ति को मिलेगा बड़ा लाभ

विशेष रूप से 50 बिस्तरीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण से कोतबा और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का बड़ा विस्तार होगा। वहीं, नई सड़कों, पुल-पुलियों और पहुंच मार्गों के निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। जल आवर्धन योजना से पेयजल समस्या के समाधान में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इसके साथ ही महतारी सदन से ग्रामीण महिलाओं को आजीविका संवर्धन के केंद्र का लाभ मिलेगा। नवीन तहसील कार्यालय भवन से लोगों को राजस्व सेवाओं के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि जनता को शीघ्र इनका लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर रूपा यादव बनीं एक दिन की प्रधानपाठक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर - जिला मिशन समन्वयक मनोज साहू के मार्गदर्शन में आज राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की कक्षा आठवीं की छात्रा रूपा यादव को एक दिन के लिए विद्यालय का प्रधानपाठक बनाया गया।

कार्यक्रम के तहत विद्यालय के प्रधानपाठक कृष्ण कुमार यादव ने औपचारिक रूप से रूपा यादव को दायित्व सौंपते हुए विद्यालय के शैक्षणिक कार्यों एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन की जिम्मेदारी दी। इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। एक दिन की प्रधानपाठक बनीं रूपा यादव ने पूरे विद्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्यान्ह भोजन (मिड डे मील) की व्यवस्था, कक्षाओं में चल रहे शिक्षण कार्य, विद्यालय के शौचालयों की स्थिति तथा पेयजल व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई, अनुशासन और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही तथा भृत्य एवं छात्र-छात्राओं को विद्यालय परिसर स्वच्छ रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पानी की समस्या सामने आने पर रूपा यादव ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए जिला कलेक्टर के नाम पत्र लिखकर पेयजल व्यवस्था सुधारने की मांग की, ताकि विद्यार्थियों को पानी की समस्या से निजात मिल सके।

जिले में धान उपार्जन कार्य प्रगति पर, 29.05 लाख क्विंटल से अधिक धान की खरीदी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर - जिले में शासन द्वारा संचालित धान उपार्जन व्यवस्था के अंतर्गत किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से जारी है। वर्तमान उपार्जन सत्र में अब तक जिले में कुल 29,05,390 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है, जबकि 11,02,830 क्विंटल धान का उठाव संबंधित मिलरों एवं एजेंसियों द्वारा किया गया है। जिला खाद्य अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में धान उपार्जन के लिए कुल 60,335 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें से अब तक 48,100 किसानों द्वारा समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया जा चुका है। शासन के निदेर्शानुसार उपार्जन केंद्रों की निर्धारित व्यवस्था से किसानों को समयबद्ध एवं सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि रकबा समर्पण की प्रक्रिया अंतर्गत जिले में कुल 20,945 किसानों द्वारा 2,348.81 हेक्टेयर कृषि भूमि का रकबा समर्पण किया गया है। रकबा समर्पण की कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुरूप पूर्ण पारदर्शिता के साथ की जा रही है। धान उपार्जन के दौरान किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए टोकन व्यवस्था, डिजिटल पंजीयन, तौल तथा भुगतान प्रणाली को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिससे किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जिला प्रशासन द्वारा उपार्जन व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन द्वारा किसानों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथियों के अनुसार संबंधित उपार्जन केंद्रों में धान विक्रय करें तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर संबंधित उपार्जन केंद्र अथवा विभागीय अधिकारियों से संपर्क करें।

घटना स्थल पर उपलब्ध कराया गया 05 फायर ब्रिगेड वाहन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव / नगर पालिका परिषद पत्थलगांव से प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पंचायत पत्थलगांव अंतर्गत जशपुर रोड़ में स्थित संदीप एजेंसी में 23 जनवरी 2026 को सुबह 08 बजे आग लगने की सूचना नगर पालिका पत्थलगांव उपाध्यक्ष अजय बंसल के द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को फोन पर दी गई। जिसमें मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा पानी से भरी हुयी फायर ब्रिगेड वाहन घटना स्थल हेतु रवाना किया गया। साथ ही अतिरिक्त 2 टैंकर भी स्थल में आकस्मिक उपयोग हेतु भेजा गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी के द्वारा घटना की सूचना अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पत्थलगांव एवं थाना प्रभारी पत्थलगांव को दी गई। घटना स्थल में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), तहसीलदार पत्थलगांव, नायब तहसीलदार पत्थलगांव, थाना प्रभारी पत्थलगांव सूचना प्राप्ति के समय से आग बुझाने तक उपस्थित रहे। जिला प्रशासन के द्वारा नगर पंचायत कुनकुरी, नगर पंचायत बगीचा एवं जिला से कुल तीन एवं सरगुजा एवं जिला रायगढ़ से 02 कुल 05 फायर ब्रिगेड घटना स्थल पर उपलब्ध कराया गया। फायर ब्रिगेड वाहन में पानी रिफिलींग जी.ए.डी. कॉलोनी एवं मैरिज गार्डन पंप हाउस से किया गया। जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के प्रयास के फलस्वरूप लगभग दोपहर के 12 बजे तक आग में नियंत्रण कर आग पूर्णतः बुझा लिया गया। घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नही हुई है। जिला प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा नगर में किसी भी प्रकार की आपदा व आगजनी हेतु संपूर्ण तैयारी रहती है एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में नगर पालिका पत्थलगांव के द्वारा समीपवर्ती ग्राम में भी आग की घटना होने पर फायर ब्रिगेड उपलब्ध करायी जाती है।

सम्पादकीय

ट्रंप के बोर्ड ऑफ पीस में सिर्फ यूएस की ही चलेगी

दावोस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा गठित 'बोर्ड ऑफ पीस' को शांति के एक नए वैश्विक मंच के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, लेकिन इसके ढांचे, नेतृत्व और सदस्यता पर नज़र डालें तो यह पहल शांति से ज़्यादा सत्ता और प्रभुत्व की कहानी कहती है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पहले से मौजूद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद जैसी संस्थाओं के रहते एक नए मंच की आवश्यकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है, खासकर तब जब उसका स्वरूप लोकतांत्रिक कम और व्यक्तिगत नियंत्रण वाला अधिक प्रतीत हो। इस बोर्ड की सबसे असाधारण और विवादास्पद बात इसकी अध्यक्षता व्यवस्था है। डोनाल्ड ट्रंप इसके स्थायी अध्यक्ष होंगे, चाहे वे अमेरिका के राष्ट्रपति रहें या नहीं। अध्यक्ष को हटाने का प्रावधान भी लगभग प्रतीकात्मक है, क्योंकि यह तभी संभव है, जब वे स्वयं इस्तीफा दें या कार्यकारी बोर्ड के सभी सदस्य उन्हें अयोग्य घोषित करें। चूंकि कार्यकारी बोर्ड के अधिकांश सदस्य ट्रंप द्वारा ही चुने गए हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि वास्तविक शक्ति पूरी तरह उनके हाथ में केंद्रित रहेगी। बोर्ड की सदस्यता सूची भी इसी असंतुलन को उजागर करती है। आठ मुस्लिम देशों कतर, तुर्किये, मिस्त्र, जॉर्डन, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात को इसमें शामिल किया गया है। इसके अलावा अर्जेंटीना, आर्मेनिया, अजरबैजान, बहरीन, बेलारूस, हंगरी, कजाकिस्तान, मोरक्को और वियतनाम जैसे देश भी इस पहल का हिस्सा बने हैं। ये सभी देश किसी न किसी रूप में अमेरिकी रणनीतिक प्रभाव के दायरे में आते हैं। इसके विपरीत चीन, रूस, जर्मनी, इटली और यूक्रेन जैसे प्रभावशाली देशों ने भी कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी है। यह तथ्य अपने आप में बोर्ड की वैश्विक स्वीकार्यता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। भारत द्वारा इस बोर्ड पर कोई स्पष्ट फैसला न लेना भी बेहद महत्वपूर्ण है। भारत की चुप्पी को इस रूप में देखा जा सकता है कि वह इस बोर्ड को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संभावित विकल्प के रूप में देख रहा है। सुरक्षा परिषद भले ही वीटो पावर और राजनीतिक गतिरोधों के कारण आलोचना झेलती रही हो, लेकिन उसकी वैधता और वैश्विक प्रतिनिधित्व को नकारा नहीं जा सकता। इसके मुकाबले 'बोर्ड ऑफ पीस' न तो किसी अंतरराष्ट्रीय संधि पर आधारित है और न ही इसमें दुनिया की बड़ी ताकतों की भागीदारी है। इस बोर्ड की प्रभावशीलता पर एक और बड़ा सवाल यह है कि इसमें अमेरिका के अलावा कोई भी वीटो पावर देश शामिल नहीं है। ऐसे में यह बोर्ड वैश्विक संघर्षों को सुलझाने में कितना सक्षम होगा, यह संदेहास्पद है। जिन देशों को इसमें शामिल किया गया है, उनमें से कोई भी इतना राजनीतिक, आर्थिक या सैन्य रूप से शक्तिशाली नहीं है कि वह अमेरिका की इच्छा के विरुद्ध प्रभावी भूमिका निभा सके। इससे यह आशंका और गहरी होती है कि यह मंच वास्तव में स्वतंत्र निर्णयों के बजाय अमेरिकी एजेंडे को आगे बढ़ाने का साधन बन जाएगा। इज़राइल की आपत्ति भी इस पहल की विश्वसनीयता को कमजोर करती है। इज़राइल ने कहा है कि बोर्ड के गठन से जुड़ी शुरुआती बातचीत में उसे शामिल नहीं किया गया। मध्य पूर्व जैसे संवेदनशील क्षेत्र में शांति की कोई भी पहल इज़राइल की भागीदारी के बिना अधूरी मानी जाएगी। अब आने वाला समय ही बताएगा कि यह बोर्ड वास्तव में वैश्विक शांति में कोई सार्थक योगदान देता है या फिर यह इतिहास में एक ऐसे प्रयास के रूप में दर्ज होगा, जिसमें दुनिया की नहीं, बल्कि अमेरिका और विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रंप की ही चलेगी।

विशेष

प्रभात मिश्र

वसंत पंचमी

क्या आपको पता है? सूर्य कांत त्रिपाठी निराला को वसंत ऋतु क्यों सर्वाधिक प्रिय है, निराला लिखते हैं- अभी न होगा मेरा अंत
अभी - अभी ही तो आया है

मेरे वन में मृदुल वसंत , अभी न होगा मेरा अंत
हरे -हरे ये पात , डालियां, कलियां, कोमल गात।
मैं ही अपना स्वप्न - मृदुल -कर, फेरुंगा निद्रित कलियों पर
जगा एक प्रत्यूष मनोहर !

वसंत मे आंनद भी है उल्लास भी साथ ही सृजन की विस्तीर्ण एक लंबी श्रृंखला को भी लिए हुए है शिशिर की लंबी रातें जैसे जैसे छोटी होती जाती हैं वैसे वैसे निराला की जुही की कली का सौन्दर्य खिल जाना चाहता है -

विजन - वन वल्लरी पर सोती थी सुहाग -भरी - स्नेह - स्वप्न - मग्न
अमल - कोमल - तनु तरुणी जुही की कली,
दृग बंद किये, शिथिल,- पत्रांक में , वासंती निशा थी,

निराला का वसंत कुमार संभव के वसंत से अलग है क्योंकि निराला निराला हैं वे आंखों और बादल के महान कवि हैं जहां का संसार विहंगम है अन्य छायावादी कवि सुमित्रानंदन पंत की दृष्टि से देखते हैं जिसमें वे आंखों से क्या देखते हैं अवलोक रहा बार-बार नीचे जल में निज महाकार जिसके चरणों में पला ताल दर्पण सा फैला है विशाल।

सूर्य कांत त्रिपाठी निराला का रचना संसार केवल यहीं तक नहीं रुकना चाहता है वह तुलसीदास की तरह संबल प्रदान करते स्पष्ट दिखाई देते हैं और लिखते हैं - महाकाव्य राम की शक्ति पूजा शक्ति की करो मौलिक कल्पना भाव वही शाश्वत असत्य पर सत्य की विजय, अनैतिकता पर नैतिकता की विजय, ये शंखनाद पूर्णतः आधुनिक क्योंकि निराला जानते थे अंग्रेजों को हराना रावण को हराने के समान था इसलिए वो राम की शक्ति पूजा लंबी कविता रचते हैं निराला के राम नवीन हैं लोक नायक हैं लिखते हैं - होगी जय होगी जय हे पुरुषोत्तम नवीन कह महाशक्ति राम के बदन मे हुई लीन।

पराधीनता से स्वाधीनता, कदाचार से सदाचार की इस अविराम यात्रा के कथानक को समर्पण से जोड़ देते हैं अपनी इस लंबी कविता के माध्यम से निराला ने ये स्थापित किया कि मां सीता का अपहरण राष्ट्र की संस्कृति का अपहरण है अस्मिता का अपहरण है जिससे मुक्ति आवश्यक है यहां राम को शक्ति की उपासना का आव्हान करते ताकि आततायी रावण जो निरंकुश अंग्रेजी सत्ता का प्रतीक है उखाड़ फेका जा सकें इस पूरे क्रम में निराला का पाठकों से संवाद बेजोड़ है संवेदना, शिल्प व भाषा शैली अद्भुत व अभिभूत कर बहा ले जाती है ।

निराला के सृजन शक्ति में राष्ट्रीय मान बिन्दुओं के संरक्षण संवर्धन का आग्रह तीव्र है वहीं भावुक पिता का द्रवित ह्रदय जो पुत्री सरोज के असमय निधन से वेदना ग्रस्त हो सरोज स्मृति लिखते हैं जो एक शोक गीत है जीवन का एलबम भी जहां टूटने जुड़ने के दौर से गुज़र जाना चाहता है। निराला स्वतंत्र भारत में 14 वर्ष जीवित रहे उनके राम ने अंग्रेज रुपी रावण को देश से बाहर का रास्ता दिखा दिया था संकल्प पूरा हुआ पर तत्कालीन दौर की शासन व्यवस्था कोई पुरस्कार न दे सकी यद्यपि निराला ख़ून सूखाकर लिखने वाले कवि थे इससे कहीं परे थे विडंबना ही है कि निराला पर लिखी गई पुस्तकों को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ पर स्वयं निराला को नहीं मिल सका कहते हैं निराला का काव्य पाठ ओज और तेज़ लिए हुए था उनकी वाणी को भी तत्कालीन सरकारी व्यवस्था सुरक्षित नहीं रख पाई काश उनकी वाणी को सुरक्षित रख पाते मेघ- मंद्र - कंठ कभी न सुनने के लिए आज हम विवश हैं-

जागो फिर एक बार! समर अमर कर प्राण , गान गाये महासिनधु से ।

शाश्वत ऊर्जा और शौर्य का महोत्सव

वसंत पंचमी
डॉ. बलवीर आचार्य

भारतीय परम्परा में 'काल' को केवल समय की इकाई नहीं, अपितु एक दिव्य चेतना माना गया है। इस काल-प्रवाह में 'वसन्त' वह सन्धिकाल है, जहां प्रकृति अपनी जड़ता का त्याग कर पूर्ण चैतन्य में अंगड़ाई लेती है। वसन्त ऋतु का महत्व केवल इसके नैसर्गिक सौन्दर्य तक सीमित नहीं है, अपितु यह वेद, विज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का एक अपूर्व समन्वय है। वास्तव में वसन्त ऋतु भारत की वह 'ऋतम्भरा प्रज्ञा' है जो हमें सिखाती है कि यदि जीवन में शान्ति और सौन्दर्य चाहिए तो उसके लिए शस्त्र और शास्त्र, भक्ति और शक्ति तथा प्रेम और बलिदान का समन्वय अनिवार्य है। यह ऋतु हमें आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ राष्ट्र रक्षा के प्रति सजग रहने का सन्देश देती है।

माघ मास, शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाने वाला वसंत पंचमी का पर्व भारतीय सांस्कृतिक चेतना में उस संक्रमण बिन्दु का प्रतीक है, जहां जड़ता से चेतना की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा अज्ञान से ज्ञान की ओर यात्रा प्रारम्भ होती है। यह पर्व प्रकृति के श्रृंगार, विद्या के शुभारम्भ, कलाओं के विकास, शौर्य, धैर्य और बलिदान की प्रेरणा का ऐसा संगम है, जो मानव मात्र को प्रेरित करता है कि वह ज्ञान-विज्ञान का विकास करता हुआ राष्ट्रभक्ति के भावों से ओत-प्रोत रहे।

भारतीय परम्परा में 'काल' को केवल समय की इकाई नहीं, अपितु एक दिव्य चेतना माना गया है। इस काल-प्रवाह में 'वसन्त' वह सन्धिकाल है, जहां प्रकृति अपनी जड़ता का त्याग कर पूर्ण चैतन्य में अंगड़ाई लेती है। वसंत ऋतु का महत्व केवल इसके नैसर्गिक सौन्दर्य तक सीमित नहीं है, अपितु यह वेद, विज्ञान, साहित्य, आयुर्वेद, बलिदान और राष्ट्रभक्ति का एक अपूर्व समन्वय है। यह वह ऋतु है जिसे स्वयं योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में अपनी विभूति स्वीकार करते हुए कहा है कि- 'मैं, ऋतुओं में वसंत हूं।' वैदिक काल-गणना के अनुसार, यह 'प्राण' की पुनरावृत्ति का समय है। इसीलिए समस्त शुभ कार्यों और बड़े अनुष्ठानों का आरम्भ वसंत से करने का विधान है। संगीत और वीणा 'नाद ब्रह्म'के रहस्य को प्रकट कर रहे हैं। भारतीय मनीषा मानती है कि यह ब्रह्माण्ड ध्वनि से निर्मित है। वसंत पंचमी इसी 'नाद' की पूजा है। वैदिक युग की गम्भीरता जब लौकिक संस्कृत साहित्य में अवतरित हुई, तो वसन्त, रस और सौन्दर्य के उन्मेष के साथ 'ऋतुराज' के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। महाकवि कालिदास ने 'ऋतुसंहार-6.2' में वसंत का मानवीकरण करते हुए लिखा कि- वसंत ऋतु में प्रकृति का कण-कण सुन्दरता की गोद में समाया हुआ है। वृक्ष पुष्प-पुंजों से पुष्पित हो रहे हैं, सरोवरों में कमल अपनी पूर्ण आभा के साथ खिल रहे हैं, समीर सुगंध से सुवासित है और अहोरात्र अत्यन्त मनोहर प्रतीत हो रहे हैं। प्राचीन भारत में वसन्तोत्सव और 'कौमुदी महोत्सव' सामाजिक समरसता के सबसे बड़े प्रतीक थे। इसके प्रमाण हमें संस्कृत के प्रसिद्ध नाटकों में मिलते हैं। सातवीं शताब्दी के सम्राट् हर्षवर्द्धन ने अपनी नाटिका 'रत्नावली' के प्रथम अंक में वसन्तोत्सव का सजीव वर्णन किया है- लोग केसर और कुमकुम के घोल से सराबोर होकर गलियों में नृत्य कर रहे हैं। यह इस बात का ऐतिहासिक प्रमाण है कि वसंत के समय समाज में ऊंच-नीच का भेद समाप्त हो जाता था और राजा-प्रजा साथ मिलकर उत्सव मनाते थे। विशाखदत्त के नाटक 'मुद्राराक्षस' में चन्द्रगुप्त मौर्य के समय कौमुदी महोत्सव के आयोजन का उल्लेख है। यद्यपि चाणक्य ने कूटनीतिक कारणों से इसे रोकने का आदेश दिया था, किन्तु यह सन्दर्भ स्पष्ट करता है कि मगध की जनता के लिए यह वर्ष का सबसे बड़ा उत्सव था, जिसमें पूर्ण चन्द्र की आभा में नगर को अलंकृत किया जाता था।

परम्परागत भारतीय समाज में बच्चों का विद्यारम्भ, अक्षर लेखन, गुरुकुल प्रवेश, वसंत पंचमी से प्रारम्भ होता था। भारत में इस पर्व के विविध रंग देखने को मिलते हैं। बंगाल में सरस्वती पूजा का भव्य आयोजन होता है। पण्डालों में देवी की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं और छोटे बच्चों को 'हाते खोड़ी' कराया जाता है

अर्थात पहली बार अक्षर लिखना सिखाया जाता है। मथुरा और वृन्दावन के ब्रज क्षेत्र में इस दिन होली का औपचारिक आरम्भ माना जाता है। मन्दिरों में भगवान की प्रतिमाओं को गुलाल अर्पित किया जाता है। प्रयागराज और वाराणसी में गंगा स्नान का विशेष महत्व है। आन्ध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक आदि दक्षिण भारत के प्रान्तों में वसंत पंचमी पर्व को श्रीपंचमी कहा जाता है और इस पर्व को 'विद्यारम्भ' के रूप में मनाते हैं। बच्चों को चावल के दानों पर अंगुली से अक्षर लिखवाकर शिक्षा की शुरूआत कराई जाती है। वसंत केवल एक सांस्कृतिक अवधारणा नहीं, अपितु एक खगोलीय घटना है जो सम्पूर्ण पृथ्वी को प्रभावित करती है। खगोलीय रूप से जब सूर्य भूमध्य रेखा के ठीक ऊपर होता है, तब दिन और रात की अवधि समान हो जाती है। इसे वेदों में 'विषुवत' कहा गया है। यह वैश्विक संतुलन का समय है। सूर्य के बढ़ते प्रकाश के कारण मनुष्यों में 'सेरोटोनिन' (प्रसन्नता का हार्मोन) का स्तर बढ़ता है और 'मेलाटोनिन' सन्तुलित होता है। यह प्राकृतिक रूप से अवसाद को समाप्त कर जीवनी शक्ति का संचार करता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है कि वसंत ऋतु में मानसिक अवसाद सबसे कम होता है। महर्षि चरक और सुश्रुत ने वसंत को स्वास्थ्य की दृष्टि से शरीर के शोधन कालमाना है। सर्दियों में शरीर में संचित 'कफ', वसंत की सूर्य-ऊष्मा से पिघलने लगता है। आधुनिक विज्ञान इसे 'लिम्फैटिक सिस्टम' की सफाई के रूप में देखता है, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह कफ यदि शोधित न हो, तो रोगों का जन्म देता है। इसीलिए आयुर्वेद में इस ऋतु में 'वमन' और नीम, शहद, जौ तथा चने जैसे कफ-नाशक पदार्थों के सेवन का वैज्ञानिक निर्देश है।

मुग़ल आधिपत्य के दौरान जब भारतीय त्योहार फीके पड़ रहे थे, तब शिवाजी महाराज ने वसन्तोत्सव और होली (शिमगा) जैसे उत्सवों को पुनः सार्वजनिक रूप से मनाना प्रारम्भ किया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि 'मराठा' साम्राज्य में वसंत केवल फूलों का नहीं, अपितु शस्त्रों की पूजा (शस्त्र-पूजन) और आत्मविश्वास का पर्व बने। शिवाजी महाराज का 'भगवा ध्वज' साक्षात वसंत की अग्नि और त्याग का प्रतिनिधित्व करता है। उनके लिए यह रंग केवल एक ध्वज नहीं, अपितु उस 'ऋत' (शाश्वत नियम) का पालन था, जिसका वर्णन वेदों में वसंत के सन्दर्भ में मिलता है। पण्डित रामप्रसाद बिस्मिल और भगत सिंह का प्रिय गीत है- "मेरा रंग दे बसन्ती चोला, माए रंग दे बसन्ती चोला" यहां 'बसन्ती' रंग सौन्दर्य का नहीं, अपितु बलिदान की उस अग्नि का प्रतीक है जो राष्ट्र को स्वतन्त्र करने के लिए प्रज्वलित हुई थी। वसंत ऋतु भारत की अखण्ड चेतना का दर्पण है। यह वेदों की ऋचाओं में 'पवित्रता' है, कालिदास के काव्यों में 'श्रृंगार' है, आयुर्वेद के ग्रन्थों में 'स्वास्थ्य' है, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, वीर बालक हकीकत राय और रामप्रसाद बिस्मिल, सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों के रक्त में 'बलिदान' है।

यह ऋतु हमें सिखाती है कि सृजन के लिए पहले पुराने को छोड़ना पड़ता है और देश की रक्षा के लिए वसंत को 'केसरिया' के रंग में रंगना पड़ता है। वसंत का यह पंचमुखी रूप - वैदिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक, स्वास्थ्यपरक और ऐतिहासिक, ही इसे विश्व की सभी ऋतुओं में 'राज' की पदवी प्रदान करता है- वसन्तराज। वास्तव में वसंत ऋतु भारत की वह 'ऋतम्भरा प्रज्ञा' है जो हमें सिखाती है कि यदि जीवन में शान्ति और सौन्दर्य चाहिए तो उसके लिए शस्त्र और शास्त्र, भक्ति और शक्ति तथा प्रेम और बलिदान का समन्वय अनिवार्य है। यह ऋतु हमें आत्मिक शुद्धि के साथ-साथ राष्ट्र रक्षा के प्रति सजग रहने का सन्देश देती है।

(लेखक पूर्व प्रोफेसर एमडीयू रोहतक, ये उनके अपने विचार हैं।)

शक्तिशाली मन ही सबका सच्चा साथी

संकलित

दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का मन अनेक शक्तियों को संजोए हुए है। हम मन की शक्तियों से परिचित नहीं हैं। उसमें असीम शक्तियां हैं। यदि हम मन की शक्तियों से परिचित हो जाएं, उन्हें विकसित कर लें, तो क्या नहीं हो सकता? संसार में सर्वाधिक प्राथमिक आवश्यकता है- शक्ति की। शारीरिक शक्ति के लिए भी मन की शक्ति का होना जरूरी है। मन का बल टूटते ही शरीर का बल टूट जाता है। मन मजबूत होता है, तो शरीर भी साथ देता है। मन दुर्बल हुआ, तो शारीरिक शक्तियां भी क्षीण होने लग जाती हैं। शक्ति का संचय और सुरक्षा का उपाय है, तनाव से बचना। मानसिक तनाव मन की शक्ति को और भावनात्मक तनाव आत्मा की शक्ति को क्षीण करता है।शक्ति का सबसे बड़ा रहस्य है, शरीर और मन दोनों का एक साथ रहना। जिसने दूसरों को जीता और अपने आपको नहीं जीता, वह दुर्बल है। मन और इच्छाओं को जीतना बहुत बड़ी लड़ाई है। प्रत्येक व्यक्ति का मन इन शक्तियों को संजोए हुए है। हम मन की शक्तियों से परिचित नहीं हैं। उसमें असीम शक्तियां हैं। यदि हम मन की शक्तियों से परिचित हो जाएं, उन्हें विकसित कर लें, तो क्या नहीं हो सकता? आवश्यकता है मन को पटु, कुशल और सहिष्णु बनाने की। उसे इस तरह प्रशिक्षित करने की, जिससे कि हम शारीरिक और मानसिक शक्तियों का संतुलन बनाए रख सकें। कहा भी गया है कि 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।' मन किसी भी अप्रिय घटना से ऐसा तड़प जाता है, जैसे चारों ओर से लाल चीटियों द्वारा डसा जाता घायल सर्प तड़पता है। बदला और प्रतिशोध तो चंचल मन की क्षुद्र कल्पनाएं हैं। प्रतिशोध से भरा मन यदि अवरूद्ध भावनाओं की खदबदाती दलदल है, तो प्रेम से भरा मन का हिमालय, गंगा के हिमालय पर्वत से भी ऊंचा है। मन की ऊंचाई के आगे हिमालय भी बौना है, इसलिए मन सुदृढ़ और प्रशिक्षित अश्व की भांति होना चाहिए।

अपने लिए कठोर और दूसरों के लिए द्रवित रहो

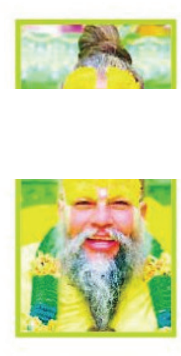

संकलित

प्रेरणा

वृंदावन के जाने-माने संत प्रेमानंद महाराज अपनी बातों से कई लोगों को सही राह दिखाते हैं। अपने प्रवचन के दौरान वह कई ऐसी बातें कहते हैं जिसका पालन अगर कर लिया जाए तो जिंदगी की आधी से ज्यादा मुश्किलें खत्म हो सकती हैं। अपने एकांतित वार्तालाप के दौरान वह कई लोगों के सवालों का जवाब देते हैं। हाल ही में एक बच्चे ने उनसे एक दिल छू लेने वाला सवाल किया। बच्चे ने पूछा कि हमें कब-कब कठोर होना चाहिए? इस पर प्रेमानंद महाराज ने बड़े ही सरलता से अपनी बात रखी। प्रेमानंद महाराज ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जगह-जगह पर अवसर पर किया जाता है। जिससे हमें लगे कि गलत है तो हम उसे कठोर करते हैं। कठोर हृदय से हम उसे सहते हैं। अब जहां हमारी कोई निंदा कर रहा है तो हम हमारे हृदय को कठोर कर लेते हैं। स्वभाव के कठोरता में सबकी कठोरता आ जाती है। स्वभाव में ही सब कुछ होता है। हृदय, वाणी, देखना और बोलना, उठना और बैठना सब आ जाएगा। जहां किसी को कष्ट हो रहा है, वहां हम द्रवित हो जाते हैं। जहां हमें कष्ट हो रहा है, वहां हम कठोर हो जाते हैं। हमारी कोई निंदा करें, उसे हम सह लेते हैं, लेकिन हम किसी की निंदा कभी नहीं कर सकते हैं। हमें कोई दुख दें। हम उसे कठोर भाव से सह लेंगे, लेकिन हम किसी को कठोर भाव से दुख दें, ऐसा कभी भी नहीं हो सकता है। प्रेमानंद महराज ने आगे कहा कि अपने लिए कठोर रहो और दूसरों के लिए द्रवित रहो। दूसरों के लिए कठोर और अपने लिए द्रवित ये तो स्वार्थी लोगों का लक्षण है। परमार्तिक लक्षण है कि अपने लिए कठोर रहो। दूसरे को सर्दी लग रही है तो अपनी जैकेट उतार के दे दिया। अपने खुद सर्दी सह लेते हैं लेकिन दूसरे को नहीं नहीं हम उसके ठंड में कांपते हुए नहीं देख सकते हैं। ये है कठोरता। अपने लिए कठोर रहो लेकिन दूसरों के लिए मृदुता।

अंतर्मन

आज की पाती

क्या किसी की भूख की तस्वीर लेना जायज है?

आज का युग 'डिजिटल करुणा' का युग बन चुका है, जहां इनसानियत, परोपकार और सहानुभूति जैसे मूल्य अब मौन संवेदनाओं की बजाय कैमरे की फ्लैश में दर्ज होते हैं। पहले जहां 'नेकी कर दरिया में डाल' की परंपरा जीवित थी, अब वह बदलकर 'नेकी कर, सोशल मीडिया पर डाल' हो चुकी है। भलाई की भावना मनुष्य की सबसे पवित्र प्रवृत्तियों में से एक है। किन्तु आज के समय में यह गुण मंच पर आ चुका है- एक ऐसा मंच जहां तालियां हैं, टिप्पणियां हैं, और सबसे ज़रूरी, एक कैमरा है जो हर क्षण को 'दृश्य' बनाता है। एक समय था जब कोई वृद्ध भूखा दिखता, तो राह चलते लोग बिना कुछ कहे उसे कुछ खाने को दे जाते थे। लेकिन अब किसी की भूख बुझाने की भी तस्वीरें ली जा रही हैं। *-विनय कुमार साहू*

करंट अफेयर

देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क पांच लाख सर्किट किमी के पार

देश का विद्युत पारेषण नेटवर्क 220 किलोवोल्ट और उससे अधिक क्षमता वाली लाइन के साथ पांच लाख सर्किट किलोमीटर का आंकड़ा पार कर गया है। बिजली मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इसके साथ ही देश की कुल 'ट्रांसफॉर्मर' क्षमता 1,407 गीगावोल्ट एम्पियर तक पहुंच गई है। मंत्रालय के बयान के अनुसार, राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से बिजली पारेषण के लिए भादला-दो से सीकर-दो सब-स्टेशन तक 765 किलोवॉट की 628 सर्किट किलोमीटर लंबी पारेषण लाइन का संचालन शुरू करने के साथ ही दुनिया के सबसे बड़े राष्ट्रीय ग्रिड ने यह उपलब्धि 14 जनवरी को हासिल की। इस लाइन के चालू होने से भादला, रामगढ़ और फतेहगढ़ सौर ऊर्जा परिसर के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र से अतिरिक्त 1,100 मेगावाट बिजली पारेषण संभव हो सकेगा। मंत्रालय के अनुसार, अप्रैल 2014 से अब तक देश के पारेषण नेटवर्क में 71.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस अवधि में 2.09 लाख सर्किट किलोमीटर नई पारेषण लाइन जोड़ी गईं जबकि 'ट्रांसफॉर्मर' क्षमता में 876 गीगावोल्ट एम्पियर की बढ़ोतरी हुई। अंतर-क्षेत्रीय बिजली अंतरण क्षमता अब 1,20,340 मेगावाट तक पहुंच गई है जिससे विभिन्न क्षेत्रों के बीच निर्बाध बिजली आपूर्ति को संभव हुई है।

ऑफ बीट

बेंगलुरु दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर

भारत का सूचना एवं प्रौद्योगिकी केंद्र बेंगलुरु वर्ष 2025 में विश्व स्तर पर दूसरा सबसे अधिक यातायात भीड़भाड़ वाला शहर रहा, जहां औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 74.4 प्रतिशत रहा। यह जानकारी नीदरलैंड स्थित 'लोकेशन टेक्नोलॉजी' कंपनी 'टॉमटॉम' के आंकड़ों से मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'टॉमटॉम' के वर्ष 2025 से संबंधित 'ट्रैफिक इंडेक्स' में मैक्सिको सिटी को शीर्ष स्थान पर रखा गया है, उसके बाद बेंगलुरु और डबलिन (आयरलैंड) का स्थान है। यह सूचकांक दुनिया भर के शहरों का मूल्यांकन औसत यात्रा समय और यातायात भीड़भाड़ के स्तर के आधार पर करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाला, सार्वजनिक रूप से सुलभ डेटा उपलब्ध होता है। बेंगलुरु में पिछले वर्ष की तुलना में औसत यातायात भीड़भाड़ का स्तर 1.7 प्रतिशत अंक बढ़ गया। चालकों ने औसतन 4.2 किलोमीटर की दूरी 15 मिनट में तय की, जबकि 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में औसतन 36 मिनट और नौ सेकंड का समय लगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि व्यस्त समय के दौरान गाड़ियों की औसत गति घटकर 13.9 किमी प्रति घंटा हो गई। इसके अलावा, रिपोर्ट में 17 मई को शहर का सबसे खराब यात्रा दिवस बताया गया है।

ट्रेंड

मेरी हार्दिक संवेदनाएं

डोडा में हुए दुखद सड़क हादसे से मैं बेहद दुखी हूं, जिसमें भारतीय सेना के 10 बहादुर जवान शहीद हो गए। मेरी हार्दिक संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायल जवानों को सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इस कठिन समय में पूरा देश हमारे सशस्त्र बलों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है।
- राजनाथ सिंह, रक्षामंत्री

'आप' के सीएम

मैं सोशल मीडिया पर देख रहा था कि इनके मुख्यमंत्री अपने परिवार के साथ स्विट्ज़रलैंड घूमने में व्यस्त हैं। एक तरफ़ ये छुट्टियां मना रहे हैं, दूसरी तरफ़'आप' के सीएम जनता के हेल्थ कार्ड बना रहे हैं।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

काम का अधिकार

मोदी सरकार मनरेगा को ख़त्म करने का काम इसलिए कर रही है, ताकि देश के दबे-कुचले लोगों को 'बंधुआ मजदूर' बनाया जा सके। हमें मनरेगा और काम के अधिकार को बचाने की लड़ाई लड़नी है।
- मल्लिकार्जुन खरगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

औपनिवेशिक अत्याचार

ट्रम्प द्वारा ग्रीनलैंड पर संभावित कब्जे की नैतिकता पर बहस करते समय, अफ्रीका में यूरोपीय लोगों द्वारा किए गए औपनिवेशिक अत्याचारों पर विचार करना उचित है। डेनमार्क ने स्वयं अफ्रीका से लगभग पांच लाख गुलामों को अमेरिका भेजा था।
- शेखर कपूर, फिल्मकार

खबर संक्षेप

पुणे में कार ने बच्चे को कुचला, मौत

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोनी काल्भोर में शुक्रवार को एक रिहाइशी सोसाइटी में कार ने

साइकल चला रहे 5 साल के बच्चे को कुचल दिया। इसमें बच्चे की मौत हो गई। ये पूरी घटना सोसाइटी में लगे कैमरे में कैद हो गई। वीडियो में दिखता है बच्चा साइकल चला रहा था तभी एक कार आई और बच्चे को कुचलते हुए निकल गई। कार सवार दोस्त को छोड़ने आया था।

घर से नोटों का पहाड़ 61 किलो चांदी जब्त

कानपुर। यहां कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध आर्थिक गतिविधियों पर लगाम कसने की

दिशा में पुलिस कमिश्नरेट ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच की टीम नेधनकुट्टी इलाके के एक घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित मकान पर छापेमारी की। करीब 2 करोड़ नकद और करीब 61 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। नेपाली मुद्रा भी मिली है।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक

जयपुर। जयपुर हाईकोर्ट से दुष्कर्म के आरोपों का सामना कर रहे क्रिकेटर यश दयाल को बड़ी राहत

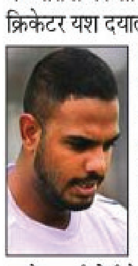

मिली है। हाईकोर्ट ने इस मामले में यश दयाल की गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश हाईकोर्ट के जस्टिस गणेशराम मीणा की सिंगल बेंच ने दिया। कोर्ट ने जांच में पूरा सहयोग करने और जांच एजेंसियों के समक्ष उपस्थित होने को कहा है।

कटक में उपराष्ट्रपति ने नेताजी को किया नमन

कटक। पराक्रम दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन शुक्रवार को ओडिशा की अपनी

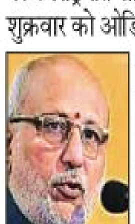

पहली यात्रा पर कटक पहुंचे। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के जन्मस्थान पर समारोह में भाग लिया और कहा कि नेताजी की पुकार आज भी भारतीयों में साहस और संकल्प की प्रेरणा देती है।

तिरुवनंतपुरम में प्रधानमंत्री ने एलडीएफ-यूडीएफ पर निशाना साधा

दोनों दलों ने केरल को भ्रष्टाचार के दुष्चक्र में धकेला, प्रतीक अलग पर लक्ष्य करप्शन बना

पीएम ने तिरुवनंतपुरम ननि में भाजपा की ऐतिहासिक जीत को सराहा

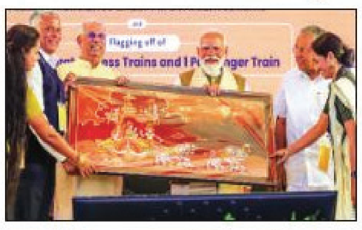

प्रधानमंत्री तिरुवनंतपुरम में विकास परियोजनाओं के शुभारंभ, ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी के दौरान

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तिरुवनंतपुर नगर निगम में भाजपा की ऐतिहासिक की जीत की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की ओर से दशकों से की जा रही उपेक्षा के अंत और विकास व सुशासन के नए युग की शुरुआत है। प्रधानमंत्री ने दोनों पर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। तिरुवनंतपुरम में पीएम ने एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एलडीएफ और यूडीएफ ने अलग-अलग तरीकों से केरल को भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और तुष्टिकरण की राजनीति के दुष्चक्र में धकेल दिया है। भले ही उनके झंडे और प्रतीक अलग हों, लेकिन उनकी राजनीति और एजेंडा लगभग एक जैसे हैं और ये हैं बेलगाम भ्रष्टाचार, जवाबदेही की कमी और विभाजनकारी सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना। दोनों दल जानते हैं कि हर पांच साल में उन्हें शासन का मौका मिलता है। लेकिन बुनियादी समस्याएं जस की तस हैं।

मिशन दक्षिण, केरल में भाजपा का चुनावी शंखनाद

अब बदलाव आएगा

पीएम मोदी ने कहा कि दशकों तक एलडीएफ और यूडीएफ ने शहर की उपेक्षा की और शहर को बुनियादी सुविधाओं से वंचित रखा। ये जरूरतों को पूरा करने में नाकाम रहे हैं। अब यहां भाजपा का बदलाव दिखेगा।

जनसभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

पूरे देश के लिए आदर्श शहर बनेगा तिरुवनंतपुरम

पीएम मोदी ने जोर देकर कहा कि तिरुवनंतपुरम अब पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर बनेगा। उन्होंने कहा कि इस शहर के लोगों से मैं कहता हूं-विश्वास रखें। तिरुवनंतपुरम पूरे देश के लिए एक आदर्श शहर बनेगा। इसे भारत के सर्वश्रेष्ठ शहरों में शामिल करने के लिए मैं पूरा समर्थन दूंगा।

एनडीए नेताओं से मिले
उज्जवल भविष्य देने के लिए हम प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत के राज्य केरल पहुंचे और भाजपा के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत की। उन्होंने शानदार स्वागत के लिए जनता को धन्यवाद दिया और कहा कि लोगों के आशीर्वाद से भाजपा-एनडीए इस शहर के लिए विकास, बेहतर नागरिक सेवाएं व एक उज्जवल भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम मोदी का शानदार स्वागत किया गया। रोड शो के दौरान लोगों का जोश और उत्साह दिखाई दिया। 'एक्स' पर लिखा, लोगों का जोश और उत्साह भाजपा पर बढ़ते भरोसे को दिखाता है, जो नगर निगम के नतीजों में साफ नजर आया। उन्होंने एनडीए का हिस्सा बनी 'ट्वेंटी20 पार्टी' के नेताओं से भी मुलाकात की।

भाजपा के पहले मेयर राजेश को गले लगाया

प्रधानमंत्री ने नगर निगम में भाजपा के पहले मेयर वीवी राजेश को गले लगाया। उन्होंने राजेश को मेयर बनने पर बधाई दी।

एनडीए को विकास और सुशासन का तीसरा विकल्प बताया

पीएम मोदी ने कांग्रेस और बाम दलों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस केरल को अपनी नई राजनीतिक रणनीतियों की प्रयोगशाला बना रही है। केरल में कांग्रेस कट्टरपंथी तत्वों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। अब भाजपा तीसरा विकल्प बनेगी।

स्वामीनारायण परंपरा मानव सेवा और नैतिक जीवन का जीवंत उदाहरण

प्रधानमंत्री ने शिक्षापत्री द्विशताब्दी महोत्सव को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि भगवान स्वामीनारायण की शिक्षापत्री के 200 साल, द्विशताब्दी समारोह का ये अवसर, हम सबका ये सौभाग्य है कि इस पावन पर्व के हम सब सहभागी बन रहे हैं। आप सभी संतों को नमन करता हूं।

ये मोदी की गारंटी है, सोना चोरी मामले पर होगी जेल

पीएम ने सबरीमाला मंदिर में सोना चोरी को लेकर बड़ा वादा किया और कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो सोने मामले की जांच होगी। दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

सीएम विजयन ने की प्रधानमंत्री की तारीफ

प्रधानमंत्री ने परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के साथ-साथ नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि यह केरल के विकास के लिए बहुत बड़ा दिन है। यह बहुत गर्व और खुशी की बात है कि मैं प्रधानमंत्री का 'ईश्वर के अपने देश' केरल में स्वागत करता हूं। प्रधानमंत्री ने केरल में कई ऐसे प्रोजेक्ट्स लॉन्च किए हैं जो राज्य के विकास में बहुत मदद करेंगे।

पीएम मोदी ने किया दावा

तमिलनाडु एनडीए के साथ डीएमके सरकार की विदाई तय

एक्स पर किया पोस्ट

तमिलनाडु भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नागेंद्रन

एजेंसी ⏭ चेन्नई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तमिलनाडु की राजनीति को लेकर बड़ा दावा किया। एक्स पर पोस्ट के जरिए पीएम मोदी ने कहा कि तमिलनाडु अब एनडीए के साथ खड़ा है और राज्य ने डीएमके सरकार को विदाई देने का मन बना लिया है। प्रधानमंत्री ने लिखा, तमिलनाडु एनडीए के साथ है। मदुरंतकम में रैली में एनडीए नेता शामिल हुए। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि अब भ्रष्ट डीएमके सरकार को अलविदा कहने का समय आ गया है। एनडीए का शासन रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं के प्रति प्रतिबद्धता लोगों को पसंद है।

एनडीए के चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत

प्रधानमंत्री के इस संदेश से चेन्नई-तिंडीवनम हाईवे के पास मदुरंतकम में बड़ी राजनीतिक रैली का माहौल बन गया है। इसी रैली के साथ एनडीए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए औपचारिक रूप से अपना चुनावी अभियान शुरू कर रहा है। भाजपा के तमिलनाडु प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी एक हाई-प्रोफाइल जनसभा को संबोधित किया। यह जनसभा तमिलनाडु में एनडीए की चुनावी लड़ाई की शुरुआत होगी। मदुरंतकम की बैठक का उद्देश्य राज्य में मौजूदा जनविरोधी डीएमके सरकार को सत्ता से हटाने की दिशा में अभियान को धार देना है।

बड़ी रैली, राज्यभर से जुटेंगे लोग

यह रैली विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की पहली बड़ी एनडीए जनसभा मानी जा रही है। इसमें पूरे तमिलनाडु से बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, समर्थकों और वॉलंटियर्स के पहुंचे। मदुरंतकम रैली में एनडीए के प्रमुख घटक दलों के नेताओं की भागीदारी तय है। इनमें एआईएडीएमके, पट्टाली मक्कल काची, तमिल मनीला कांग्रेस और अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) शामिल होंगे।

हाईकोर्ट में जज के साथ कहासुनी मामले में वकील को फटकारा

जज को आंख दिखाना चाहते हो तो दिखाओ, हम भी आप को 'देख' लेंगे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हाईकोर्ट में जज के साथ कहासुनी से जुड़े मामले में फंसे वकील को सुप्रीम कोर्ट से फटकार मिली है। वकील के खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी हुआ था, जिसके बाद उन्होंने शीर्ष न्यायालय का रुख किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत ने अदालत में चेतावनी दी और कहा कि अगर वे आंख दिखाना चाहते हैं, तो हम भी देख लेंगे वह क्या कर लेंगे। मामला बीते साल 16 अक्टूबर, झारखंड हाईकोर्ट का है। सुनवाई के दौरान एडवोकेट महेश तिवारी ने जस्टिस राजेश कुमार को सीमा पार नहीं करने के लिए कह दिया था। उनके खिलाफ आपराधिक अवमानना का नोटिस जारी हुआ। इस पर वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे, जहां उन्हें सीजेआई की नाराजगी का सामना भी करना पड़ा।

सीजेआई से महेश को नाराजगी का सामना करना पड़ा

क्या बिगाड़ लिया मेरा... दिखा रहे वकील

सीजेआई ने कहा कि वे सुप्रीम कोर्ट से आदेश सिर्फ यह दिखाने के लिए चाहते हैं कि क्या बिगाड़ लिया मेरा। उन्होंने एडवोकेट को फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि अगर वह माफी मांगना चाहते हैं, तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए..।

झारखंड हाईकोर्ट में यह हुआ

एडवोकेट तिवारी एक विधवा का केस लड़ रहे थे, जिनका 1 लाख 30 हजार से ज्यादा बकाया होने के कारण बिजली कनेक्शन काट दिया गया था। जस्टिस कुमार ने राज्य के बार काउंसिल अध्यक्ष से वकील के काम करने के तरीके पर संज्ञान लेने के लिए कहा। तिवारी उठे और अंगुली दिखाते हुए जज से कहा कि मैं अपनी तरह से बहस कर सकता हूं।

सुप्रीम कोर्ट के गेट तक चलेगी मेट्रो! सीजेआई ने बताया प्लान

सुप्रीम कोर्ट की तस्वीर अब पूरी तरह बदलने वाली है। सीजेआई ने एक इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान का खुलासा किया है। अब लोगों को गर्मी और मूसलाधार बारिश में परेशान होकर कोर्ट नहीं आना पड़ेगा। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट के लिए एक समर्पित मेट्रो लाइन का विचार पेश किया है। यह मेट्रो सीधे कोर्ट परिसर तक शानदार कनेक्टिविटी देगी।

गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल

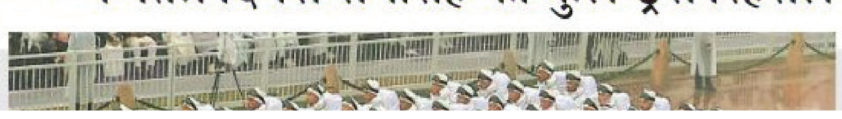

बरसात में भी दिखा जवानों का जोश

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल आयोजित की गई। सुबह से हो रही बरसात के बावजूद कर्तव्य पथ पर तीनों सेनाओं के जवानों ने कदम से कदम मिलाकर परेड की। कर्तव्य पथ पर पहली बार भारतीय सेना की भैरव बटालियन फुल ड्रेस रिहर्सल का हिस्सा बनी।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय,
सिविल जज, सीनियर डिवीजन ,1 गुमला ।
ड.र. 27/2024
नागमणि देवी वगैरह........ ....वादीगण
बनाम
संत कुमार सिंह वगैरह .... .प्रतिवादीगण
नोटिस बनाम प्रतिवादी सं. 8 से 11
8. गुलाबी बाई, पति बिनय सिंह,
9. राजु सिंह, पिता बिनय सिंह,
10. सूर्यनाथ सिंह, पिता समतरसी सिंह,
11. भीमनारायण सिंह, पिता समतरसी सिंह,
सभी निवासी ग्राम राजंती, थाना आरा, जिला जशपुर (छत्तीसगढ़)।

चूँ बजरिए इस नोटिस प्रकाशन के माध्यम से आप सभी को सूचित किया जाताहै कि यह बँटवारा वाद वादीगण के द्वारा आप सभी के विरुद् दायर किया गया है जिसमें आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है तथा आपलोगों कि उपस्थिति हेतु न्यायालय ?द्वारा नजारत एवं निबंधित डाक के माध्यम से सम्मन निर्गत किया गया था परंतु आप लोग आज तक न्यायालय में उपस्थित नहीं हुए है।

अतः आपलोगों को इस नोटिस प्रकाशन के द्वारा आगाह किया जाता है कि आपलोग दिनाँक 03/02/2026 समय 11:00 बजे या उसके पूर्व न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखे अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में ही इस वाद कि सुनवाई एकपक्षीय की जाएगी।

इसे सख्त ताकीद जानें ।यह नोटिस आज दिनाँक 12/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर व मुंहर से जारी किया गया।

हस्ताक्षर
सिविल जज, सी. डि.1, गुमला

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० ब/-121/2025-26
//ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र सिंह आ० सुखसागर सिंह, निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 229 रकबा 0.560 हे०, जिसका पुराना खसरा नंबर 1/18 रकबा 0.75 एकड़ भूमि आवेदक के पिता सुखसागर सिंह आ० केदार सिंह को निस्तार प्रकरण क्रमांक 937/क-5/1955-56 के अनुसार प्राप्त हुआ है। वर्तमान में उक्त भूमि शासकीय मद में दर्ज हो गया है। आवेदक द्वारा उसके पिता को प्राप्त निस्तार पट्टा अनुसार खसरा नंबर 229 में से 0.75 एकड़ अपने नाम पर दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया गया है।जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 20/02/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 23/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर -02

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम -
प.ह.न. 05
ईश्तहार

पुतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अलमुदिन अंसारी पिता वजीमदिन अंसारी जाति मुसलमान निवासी ग्राम सोनपूर (शि) प.ह.न.05 रा.नि.भं. भैयाथान तहसील भैयांथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक अपने स्वम के लिए जन्म प्रमाण पत्र अलमुदिन अंसारी का जन्म दिनांक 01 - 04 - 1964 को ग्राम सोनपुर में हुई है. अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने स्वम के लिए अलमुदिन अंसारी का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत सोनपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 03/02/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति परं कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक.20/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
भैयाथान
जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
रा०प्र०क०ब-121/2024-25
ग्राम घोरघड़ी तहसील राजपुर
ईश्तहार

एत्द द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुलतान आ० स्व० कादिर खान जाति मुसलमान निवासी ग्राम घोरघड़ी थाना तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज द्वारा अपने पिता स्व० कादिर खान की मृत्यु ग्राम घोरघड़ी में दिनांक 20.07.2024 को हुआ है। किन्तु जन्म/ मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथि 30/06/2025 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक /06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजपुर जिला बलरामपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601020700019/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणी राजस्व
सत्तः-2025-2026
मणीपुर प.ह.न. 00022 [368/21(0.0530हे0)]
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार- कुलदीप मुण्डा,
अनावेदक पक्षकार- प्यारेलाल गोरेलाल,

ईश्तहार

आवेदक कुलदीप मुण्डा पिता स्व०प्यारेलाल मुण्डा निवासी ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०म० के द्वारा ग्राम मणीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 368/21 रकबा 0.053 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखो में मृतक खातेदार प्यारेलाल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
तहसील अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक: 202601020700021/

विषयः- अ-6
मामले की श्रेणी राजस्व
सनः-2025-2026
लक्ष्मीपुर प.ह.न. 00023 [399/1(0.2180हे0)]
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार कुलदीप मुण्डा.
अनावेदक पक्षकार -प्यारेलाल गौरेलाल,

ईश्तहार

आवेदक कुलदीप मुण्डा पिता स्व०प्यारेलाल मुण्डा निवासी ग्राम मणीपुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 399/1 रकबा 0.218 हे० भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार प्यारेलाल का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है ।उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार

लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर सजेगा उत्तर प्रदेश दिवस का मंच

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश दिवस-2026 के मुख्य समारोह का आयोजन इस वर्ष राजधानी लखनऊ के नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर किया जा रहा है। तीन दिवसीय इस भव्य समारोह का उद्घाटन शनिवार को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने वाली पांच विशिष्ट विभूतियों को ह्यउत्तर प्रदेश गौरव सम्मान 2025-26ह्ल से सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष जिन विभूतियों को गौरव सम्मान प्रदान किया जाएगा, उनमें अंतरिक्ष विज्ञान, शिक्षा, साहित्य, महिला सशक्तिकरण और कृषि जैसे विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्व शामिल हैं। गौरव सम्मान 2025-26 से सम्मानित होने वाली विभूतियों में राजधानी लखनऊ निवासी अंतरिक्षयात्री एवं भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला शामिल हैं। शुभांशु शुक्ला ने 26 जून 2025 को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा प्रक्षेपण के बाद अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचकर इतिहास रचा। वे आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय अंतरिक्षयात्री बने। हालांकि, अंतरिक्ष में जाने वाले भारतीयों में वे राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय हैं। उनकी यह उपलब्धि भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाली है। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाले प्रयागराज निवासी अलख पांडेय को यूपी गौरव सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। अलख पांडेय ने वर्ष 2016 में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए ह्यफिजिक्स वालाह्ल यूट्यूब चैनल की शुरूआत की। वर्ष 2020 में लॉन्च किए गए इसी नाम के ऐप ने किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराकर करोड़ों छात्रों को लाभान्वित किया। वर्ष 2022 में उनकी कंपनी भारत की छठी एडटेक यूनिकॉर्न बनी। 10 मिलियन से अधिक सब्सक्राइबर वाले इस प्लेटफॉर्म ने शिक्षा को अधिक समावेशी और लोकतांत्रिक बनाया है।

हर देश का अपना एक राष्ट्रगान, राष्ट्रीय ध्वज होता है। साथ में राष्ट्रगीत और कुछ राष्ट्रीय प्रतीक भी होते हैं। इसके साथ राष्ट्रीय पशु-पक्षी और फूल भी होते हैं। इन सबके बारे में नंदन को उसकी दीदी, मां-पिता और टीचर ने विस्तार से जानकारी दी। इनके बारे में जानकर नंदन को अपने देश पर बड़ा गर्व महसूस हुआ। बच्चो, तुम भी जानो इन सबके बारे में।

देश की शान-पहचान हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

ज्ञान वार्ता
विमला भंडारी

नंदन को स्कूल से पुस्तकें मिली थीं। वह बिस्तर पर लेटा हुआ उन्हें उलट-पुलट कर देख रहा था। पुस्तक के अंतिम पृष्ठ पर लिखी पंक्तियां वह गुनगुनाने लगा, 'जन-गण-मन अधिनायक जय हे भारत भाग्य विधाता...।'

राष्ट्रगान का करो सम्मानः नंदन के कमरे के सामने से गुजरती दीदी ने जब अपने छोटे भाई को लेटे-लेटे राष्ट्रगान गाते सुना तो उन्होंने टोका, 'नंदन, यह क्या? राष्ट्रगान को इस तरह लेटकर नहीं गाया जाता।' 'क्यों

दीदी?' नंदन ने उठकर बैठते हुए उत्सुकतापूर्वक दीदी से पूछा। 'अरे, तुम्हें इतना भी नहीं पता! राष्ट्रगान को हमेशा सावधान की मुद्रा में खड़े होकर खुले आसमान के नीचे राष्ट्रध्वज के सामने गाया जाता है।' दीदी ने बताया। 'अगर लेटकर, बैठकर या चलते हुए गाएं तो दीदी?' नंदन ने आगे पूछा। 'नहीं, इससे हमारे राष्ट्रगान का अपमान होता है। राष्ट्रगान का सम्मान करना हमारे देश प्रेम की भावना को प्रकट करता है। अब कभी-भी कहीं भी चलते या बैठे हुए तुम्हारे कानों में यदि राष्ट्रगान की धुन भी सुनाई पड़ जाए, तो तुरंत वहीं ठहरकर सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाना। फिर गान की समाप्ति पर श्रद्धा से शीश झुका देना, यह तुम्हारा मातृभूमि को किया गया नमन होगा।' दीदी ने नयन को समझाया।

'ओह दीदी! अनजाने में कितनी बड़ी गलती कर बैठा मैं।' नयन ने अपने माथे पर हाथ रखते हुए कहा। 'अच्छा नंदन, अब मैं चलती हूं। आज शाम को मैं तुम्हें राष्ट्रीय चिन्हों से संबंधित बातें बताऊंगी। अभी मुझे अपने स्कूल जाना है। तुम तो देर से निकलोगे, क्योंकि तुम्हारा स्कूल तो पास में ही है।' दीदी ने अपना बैग समेटते हुए कहा और नंदन को 'बाय' करके अपने स्कूल चली गईं।

जानो अपने राष्ट्रीय चिन्हः दीदी की बातें सुनकर नंदन की उत्सुकता बढ़ गई थी। वह दौड़ा-दौड़ा मां के पास आकर बोला, 'मां-मां, मुझे राष्ट्रीय चिन्हों के बारे में बताओ न!'

'अभी बताती हूं, पहले मेरे पर्स से एक नोट लेकर आओ।' मां बोलीं। नंदन ने मां को एक नोट लाकर दिया। मां बताने लगीं, 'यह देखो नंदन, हमारा राष्ट्रीय चिन्ह जो कि वाराणसी के पास सारनाथ में सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए 'सिंह स्तंभ' से लिया गया है। और ये देखो, नीचे की इस चौरस पट्टी के बीच एक चक्र बना हुआ है, जिसके दाईं ओर सांड और बाईं ओर घोड़े का चित्र बना हुआ है। बीच में देखो, 'सत्यमेव जयते' लिखा हुआ है, जो हमारे राष्ट्र का आदर्श वाक्य भी है। 'सत्यमेव जयते' का अर्थ है-सत्य की हमेशा विजय होती है। यही चक्र तुम तिरंगे झंडे में भी देखते हो...।' मां ने बताया।

तीन रंगों वाला हमारा राष्ट्रीय ध्वजः बात जब तिरंगे झंडे की आई तो नंदन झट से बोला, 'हां मां, झंडे के तीनों रंग मुझे मालूम हैं। सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे हरा।'

'हां, राष्ट्रीय ध्वज की सफेद पट्टी पर नीले रंग का यह चक्र बना हुआ है। जिसे अशोक चक्र कहते हैं। यह हमारी प्रगति का सूचक है। तिरंगे के सभी रंग अपने अंदर संदेश समाहित किए हुए हैं।' तभी पापा ने उसे अपने पास बुलाया, 'इधर आओ नंदन, मैं तुम्हें बताता हूं।' पापा ने नंदन को अपने बगल में बैठाया और बोले, 'झंडे के ऊपर का केसरिया रंग हमारी वीरता का प्रतीक है। यह रंग हमें संदेश देता है कि हम हमारे वीरों

की भांति अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहें। सफेद रंग शांति का प्रतीक है, जो विश्व में शांति का संदेश देता है। हरा रंग हमारी समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक है।' नंदन ने अपने पापा की सारी बातें बहुत ध्यान से सुनीं। उसके स्कूल जाने का समय हो चुका था, तैयार होकर वह स्कूल के लिए निकल पड़ा।

राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के रचयिताः नंदन स्कूल आया तो वहां प्रार्थना के बाद राष्ट्रगान गाया गया। अपनी क्लास में पहुंचकर नंदन सभी बच्चों को राष्ट्रीय चिन्ह और ध्वज के बारे में बताने लगा। इतने में क्लास टीचर ने प्रवेश किया। उन्होंने अंदर आते समय नंदन की कुछ बातें सुन ली थीं। सभी बच्चों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। 'अच्छा बच्चो, क्या तुम बता सकते हो कि हमारे राष्ट्रगान के रचयिता कौन थे?' क्लास टीचर के इस प्रश्न पर पूरी कक्षा मौन हो गई। टीचर ने बताया, 'रवींद्रनाथ टैगोर, राष्ट्रगान के रचयिता थे। उन्होंने यह गीत 1912 में लिखा तथा इसे राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी 1950 को स्वीकार किया गया। इसी तरह बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित गीत 'वंदे मातरम्' को राष्ट्रीय गीत के रूप में मान्यता मिली है।'

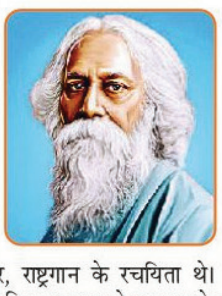

अपने राष्ट्र के महत्व की इतनी सारी रोचक और महत्वपूर्ण जानकारी पाकर नंदन, बहुत खुश और गौरवान्वित महसूस कर रहा था। *

राष्ट्रीय पक्षी, पशु और फूल

घर आने के बाद नंदन दीदी के स्कूल से लौटने का इंतजार करने लगा। वह सोच रहा था कि आज मालूम पड़ी सारी नई जानकारियां बताकर दीदी को चौंका देगा। लेकिन हुआ इसका उल्टा। जब दीदी ने उससे राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय पशु और राष्ट्रीय फूल के बारे में पूछा तो वह नहीं बता पाया। अभी इनके बारे में तो जानना बाकी ही था! दीदी ने नंदन को बड़े प्यार से बताया कि अपना राष्ट्रीय पक्षी मोर, राष्ट्रीय पशु बाघ और राष्ट्रीय फूल कमल है।

कविता / सूर्यकुमार पांडेय

धम्मक-धम्मक-धम

आई है छब्बीस जनवरी,
खुशियों का आलम।
लहर रहा हर ओर तिरंगा,
फहर रहा परचम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
संविधान की रक्षा की,
खाते हैं आज कसम।
'जन-गण-मन' के साथ गा रहे,
'वंदे मातरम्' हम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।
देश हमारा दिन-दिन विकसित,
करें सभी परिश्रम।
शांति-अहिंसा वाला मौसम,
बना रहे हरदम।
धम्मक-धम्मक-धम।
धम्मक-धम्मक-धम।

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

गाओ वंदे मातरम्

गाओ वंदे मातरम्
गाओ वंदे मातरम्।
राष्ट्रगीत के बोल निराले।
मन में ओज जगाने वाले।
मनभावन लय स्वर सरगम।
गाओ वंदे मातरम्।
जननी जन्मभूमि की जय हो।
जग में यश अनंत अक्षय हो।
सुखदाई शुभ सुंदरम्।
गाओ वंदे मातरम्।
आओ मिलकर कदम बढ़ाएं।
भारत माता का यश गाएं।
ध्वज निर्भय फहराएं हम।
गाओ वंदे मातरम्।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

देशभक्ति बाल कविताएं

बच्चो, हाल में छपकर आई 'हम हैं सैनिक भारत के' किताब में 101 देशभक्ति की भावना से भरी हुई कविताएं संकलित हैं। इसके रचनाकार डॉ. वेद मित्र शुक्ल हैं। इस किताब में ज्यादातर कविताएं, भारत के वीर सैनिकों, स्वाधीनता सेनानियों और भारतीय सेना के अदम्य साहस पर लिखी गई हैं। पहले खंड में तुम उन परमवीर चक्र विजेता सैनिकों के बारे में कविताएं पढ़ सकते हो, जिन्होंने अलग-अलग युद्धों में अदम्य वीरता का परिचय दिया। इनके अलावा वीर सेनानी महापुरुष, भारत की सेनाएं, राष्ट्रीय पर्व, प्रयाण गीत समेत कुछ अन्य खंडों में भी ओज से भरी अनेक देशभक्ति की कविताएं पढ़ सकते हो। बच्चो, इस किताब में संकलित देशप्रेम में रंगी इन प्यारी-प्यारी कविताओं को पढ़कर निश्चित ही तुम्हारे मन में देशभक्ति की भावना का संचार होगा। तुम भी अपने देश के विकास और उसकी सुरक्षा में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित होगे। *

किताब: हम हैं सैनिक भारत के (बाल कविताएं), **लेखक**: डॉ. वेद मित्र शुक्ल, **मूल्य**: 395 रुपए, **प्रकाशक**: सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली

बूझो तो जानें

1. वर्ष के प्रथम माह में आती,
धूमधाम से मनाई जाती,
लागू हुआ इस दिन संविधान,
बढ़ाया हमारा मान-सम्मान।

2. तिरंगे की जो शोभा बढ़ाए,
गतिशीलता का प्रतीक बन जाए,
चौबीस तीलियां जिसमें समाएं,
बताओ बच्चो, वह क्या कहलाए।

3. एक रंग है साहस का,
दूजा शांति का कहलाता,
तीजा रंग है उर्वरता का,
देश की शान है माना जाता।

-नलिन खोईवाल

उत्तर : 1. 26 जनवरी, 2. अशोक चक्र, 3. तिरंगे के तीन रंग- केसरिया, सफेद और हरा

जीके क्विज-189

1. इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि कौन होंगे?
2. इस वर्ष कौन-सा गणतंत्र दिवस मनाया जा रहा है?
3. आज भारत के किस महान स्वाधीनता सेनानी की जयंती है?
4. भारतीय सेना दिवस कब मनाया जाता है?
5. हाल ही में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व किस राज्य में मनाया गया?
6. भारत का संविधान किस वर्ष लागू हुआ था?
7. भारतीय संविधान की ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष कौन थे?
8. भारतीय संविधान में कितने मूल अधिकार शामिल हैं?
9. संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
10. राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' किसने लिखा था?

बच्चो, जीके क्विज-189 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-188 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.सोजर्ड मारिजने, 3.जस्टिस सूर्यकांत, 4.दिल्ली, 5.अल्बर्ट आइंस्टाईन, 6.अमेजन वर्षा वन, 7.महाराष्ट्र, 8.जम्मू कश्मीर, 9.सहारा, 10.जवाहरलाल नेहरू

जीके क्विज-188 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, शुभम-दुर्ग, गुंजा-रायपुर, सचिन-बिलासपुर, हर्ष-रोहतक, रचित-बिलासपुर, काव्या-बेमेतरा, सूरज-रायगढ़, किंशुक-महासमुंद, प्राची-बालोद

कहानी
डॉ. अलका जैन 'आराधना'

हर बार बड़े उत्साह से वसंत पंचमी का उत्सव मनाने वाले सोहम का इस बार मन सही नहीं था। असल में उसके पास पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं थी। दोस्तों को जब यह बात पता चली तो उन्होंने सोहम को पीले रंग की छटा से ऐसा सजाया कि वह वसंत राजा बन गया। वासंती रंग में रंगी दोस्तों की एक प्यारी-सी कहानी।

वसंत राजा

हर साल वसंत पंचमी उत्सव में सबसे आगे रहने वाला सोहम इस बार शांत था। कॉलोनी के पार्क में बच्चे वसंत उत्सव की तैयारी में लगे थे। वे रंग-बिरंगे रिबन, पीले फूलों की झालरें लगा रहे थे, लेकिन सोहम के भीतर कोई उमंग-उत्साह नहीं दिख रहा था। यह देखकर आयुष ने पूछा, 'अरे सोहम, वसंत पंचमी का त्योहार है और तुम ऐसे उदास क्यों हो?'

सोहम नजरें झुकाते हुए बोला, 'ऐसा कुछ नहीं है, बस यूं ही शांत हूं।'

सारा तुरंत बोली, 'ऐसा कुछ नहीं क्या..? तुम तो वसंत पंचमी उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हो। याद है, पिछले साल तुमने सबसे बड़ी रंग-बिरंगी पूंछ वाली पतंग उड़ाई थी।' सोहम धीरे से बोला, 'इस बार मन नहीं है।' लेकिन ऐसा क्यों, उसने दोस्तों को इसकी वजह नहीं बताई।

कुछ देर बाद दोपहर में सजे पार्क में सब बच्चे नई पीली ड्रेस पहनकर चहक रहे थे। कियारा दोस्तों के बीच उछलते हुए आई और बोली, 'मुझे देखो, मेरी मम्मी ने मेरे लिए सरसों के फूल जैसी कितनी प्यारी-सी फ्रॉक बनाई है।'

अनंत हंसते हुए बोला, 'और मेरा कुर्ता भी देखो, मैं चलता हूं तो लगता है हवा लहरा रही है।' सब बच्चे खुश तो थे, लेकिन अपने बीच सोहम के ना होने की कमी उन्हें अखर रही थी। आयुष से ना रहा गया, बोला, 'कुछ गड़बड़ है। हमें पता लगाना चाहिए, सोहम आज वसंत उत्सव में आखिर क्यों नहीं शामिल हुआ?'

सारा भी बोली, 'हां, सोहम के बिना वसंत पंचमी का उत्सव फीका लग रहा है।'

कियारा बोली, 'चलो, उसके घर चलते हैं। जानते हैं कि वह वसंत उत्सव में क्यों नहीं आया?' तीनों सोहम के घर पहुंचे। सोहम दोस्तों को देखकर चौंका, 'अरे, तुम लोग यहां!' आयुष ने आगे बढ़कर सोहम के कंधे पर हाथ रखा और प्यार से पूछा, 'सच-सच बताओ दोस्त, तुम वसंत उत्सव कार्यक्रम में क्यों नहीं आए?'

सोहम थोड़ा रुका, फिर धीमी आवाज में बोला, 'मेरे पास वसंत उत्सव में पहनने के लिए पीली ड्रेस नहीं है। इस महीने घर में बहुत ज्यादा खर्चा था, इस वजह से मम्मी-पापा ड्रेस खरीद नहीं पाए। पुरानी ड्रेस तो छोटी हो गई है। सब लोगों ने तो इतनी सुंदर-सुंदर पीली ड्रेस पहन रखी हैं। मैं अकेला पुरानी ड्रेस में बुरा लगूंगा, इसलिए नहीं आया।' सारा ने अपनी आंखें गोल-गोल घुमाईं और बोली, 'बस इतना सा कारण। अरे! तो हम लोग किसलिए हैं?'

अनंत मुस्कुराया, 'मिशन पीला सोहम शुरू!' सबसे पहले आयुष घर जाकर अपने पापा की पुरानी पीली टी-शर्ट लेकर आया। उसने पूछा, 'ये कैसी है?'

सोहम ने टी-शर्ट देखते ही कहा, 'अरे! यह तो मेरे घुटनों तक आएगी!'

सब हंसने लगे। तभी कियारा भी अपने घर भागी और अपने भाई की पीली जैकेट लेकर आई। सोहम को देकर बोली, 'यह पहन लो।' सोहम ने जैकेट पहनी। जैकेट की चेन बीच में फंस गई। सोहम बोला, 'इसके अंदर तो मेरी सांसें बंद हो जाएंगी।'

अनंत बोला, 'रुको, मेरे पास आइडिया है।' यह कहते हुए वह बहुत तेजी से अपने घर की ओर भागा और पीले रिबन, पीला चार्ट पेपर, ग्लिटर और स्टार स्टिकर्स लेकर लौटा। सारा उछल पड़ी, 'वाह! अब हम स्वयं बनाएंगे वसंत राजा सोहम की वसंत पंचमी ड्रेस। सबसे यूनिक ड्रेस होगी यह।'

कॉलोनी के पार्क की बेंच पर बैठकर बच्चों ने ड्रेस डिजाइनिंग शुरू की।

अनंत ने पीले-पीले रिबन काट-काटकर उसके कंधों पर लगाए। कियारा ने उसके सीने पर एक सूरजमुखी के शेप का ब्रोच भी लगा दिया।

सारा ने ग्लिटर से लिखा-वसंत राजा। सोहम ने जब अपनी नई ग्लिटरी थोड़ी टेढ़ी और चमकदार ड्रेस पहनी तो वह आश्चर्यचकित रह गया, बोला, 'सच में क्या मैं वसंत राजा लग रहा हूं?'

आयुष बोला, 'अरे, तुम राजा क्या चलती-फिरती वसंत की बहार हो!'

सब खिलखिला कर हंस पड़े।

वसंत पंचमी कार्यक्रम शुरू हुआ। मंच पर ड्रेस शो के लिए बच्चों को बुलाया जाने लगा। एनाउंसर ने एनाउंस किया, 'और अब आ रहा है हमारा वसंत का राजा!'

स्पॉटलाइट जैसे ही सोहम पर पड़ी लोग उछल पड़े। कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। एक अंकल बोले, 'इतनी क्रिएटिव ड्रेस डिजाइनिंग किसने की है?'

आयुष, सारा, अनंत और कियारा एक साथ बोले, 'हमने!' फिर सोहम ने माइक पर आकर बताया, 'मेरे दोस्तों ने मुझे अहसास कराया कि त्योहार पर दोस्त साथ हों तो कभी कोई फीका नहीं पड़ सकता। खुशियों से खिल उठता है।'

इसी बीच जजेस ने ऐलान किया, 'वसंत पंचमी की बेस्ट ड्रेस का पुरस्कार सोहम को मिलेगा।'

पूरा कार्यक्रम स्थल एक बार फिर तालियों से गूंज उठा। बच्चे भी खुशी से नाच उठे। *

कविता
डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

लो, वसंत की ऋतु आई है!

लगे परी-सी धरती रानी,
देख इसे होती हैरानी।
निखर उठी है अजब छटा से
आज अनोखी प्रकृति सुहानी।
पेड़ झूमते हैं मस्ती में,
डाली-डाली बौराई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।
फूलों से लद गए बगीचे,
भौंरे फिरते आंखें मींचे।
यों लगता है जैसे अंबर,
भू पर भर-भर खुशी उलीचे।
शहद सरीखे इस मौसम का
रंग-ढंग सब सुखदाई है।
लो, वसंत की ऋतु आई है।
नाच रही गेहूं की बाली,
झूम रही सरसों मतवाली।
देख नजारा पौध चने के
हंस-हंस बजा रहे हैं ताली।
कोयलिया का गीत, हवा की
सरगम सबके मन भाई है।
लो वसंत की ऋतु आई है।

रंग भरो-194

रंग भरो-194 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

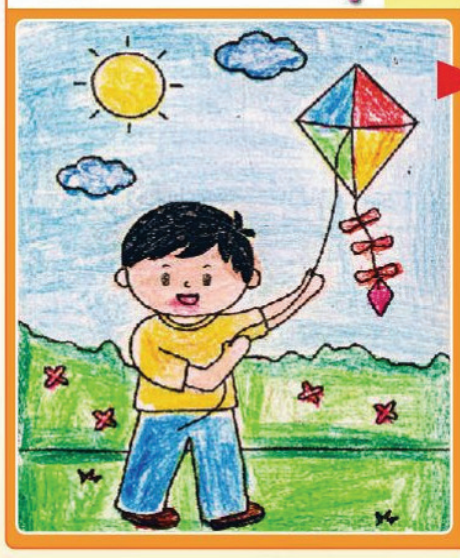

रशिका, जांजगीर

समृद्धि, शहडोल

धरा, रायपुर

पयोधि, अंबिकापुर

ओविया, बिलासपुर

प्रमाण, बालोद

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

भूमि-अटेली मंडी, अमोल-बेमेतरा, आशना-जांजगीर, चेतन-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, कल्पित-बालोद, कुहू-बिलासपुर, रेयांश-बिलासपुर, खुशी-भिवानी, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सोहम-रोहतक, हर्षिता-कोरबा

रंग भरो 195

बच्चो, इस ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में दो बच्चे रिपब्लिक-डे के अवसर पर हमारे नेशनल फ्लैग को सैल्यूट कर रहे हैं। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम **बालभूमि** में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

2 टन कोयला व परिवहन में प्रयुक्त ट्रेक्टर सहित 2 गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। चोरी का कोयला व परिवहन में प्रयुक्त ट्रेक्टर सहित 2 व्यक्ति को जिले की बसदेई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि बीते शुक्रवार को चौकी बसदेई पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि कुसमुसी तरफ से एक जोन डियर ट्रेक्टर बिना नंबर में अवैध रूप से ग्राम रगदा के बेला राजवाड़े अपने ड्राईवर के साथ चोरी का कोयला लोड कर रगदा की ओर आ रहा है। सूचना पर बसदेई पुलिस ने ग्राम रगदा में घेराबंदी कर कुसमुसी की ओर से आ रहे उक्त ट्रेक्टर को रोकवाया जिसमें पत्थर कोयला लोड़ था, कोयला संबंधी दस्तावेज की मांग किए जाने पर बेला राजवाड़े व संजय राजवाड़े ग्राम रगदा द्वारा कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। कोयला चोरी का होने के पूर्ण अंदेशा पर धारा 35(1-घ)/303(2) बीएनएसएस के तहत कार्यवाही कर 2 टन कोयला कीमत करीब 10 हजार रूपये, परिवहन में प्रयुक्त बिना नंबर ट्रेक्टर जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।पूछताछ पर आरोपियों ने बताया कि भास्करपारा ओपन कास्ट माईन्स से कोयला चोरी कर बिक्री करने हेतु ला रहे थे। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी बसदेई योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक महेन्द्र सिंह व टीम सक्रिय रही।

स्टेडियम में हुआ गणतंत्र दिवस समारोह का अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल

0 जिले के मेधावी छात्र आयुष देवांगन ने निभाई मुख्य अतिथि की भूमिका
0 नन्ही आरूषि के मनमोहक नृत्य ने मोहा सबका मन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गणतंत्र दिवस पर आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की अंतिम फुल ड्रेस रिहर्सल शनिवार सुबह स्टेडियम ग्राउंड में संपन्न हुई। रिहर्सल कार्यक्रम कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति व निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र आयुष देवांगन ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई। समारोह की गरिमा और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर द्वारा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। रिहर्सल के दौरान जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। इस रिहर्सल कार्यक्रम में नर्सरी कक्षा की नन्ही छात्रा आरूषि के मनमोहक नृत्य ने उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने नन्ही कलाकार की खुले मंच से प्रशंसा करते हुए उसका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही विभिन्न टुकड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत कर अनुशासन एवं समर्पण का परिचय दिया गया। रिहर्सल कार्यक्रम को देखने बड़ी संख्या में जिले के नागरिक,विद्यार्थीगण तथा अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

सांसद चिंतामणि महाराज होंगे मुख्य अतिथि

26 जनवरी को यहां के अग्रसेन स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में सांसद चिंतामणी महाराज मुख्य अतिथि होंगे। समारोह के दौरान प्रात: 9 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा, जिसके पश्चात 11:30 बजे तक सांस्कृतिक एवं विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले आयुष देवांगन को मुख्य अतिथि की भूमिका में आमंत्रित किया गया, जो निश्चित रूप से अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर जिले के विकास को दर्शाती विभागीय झांकियां भी निकाली जाएंगी। साथ ही विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

हवस का शिकार बनी नाबालिग छात्रा ने जिला अस्पताल में दिया बच्चे को जन्म

0 परिचित व्यक्ति ने बनाया था बच्ची को हवस का शिकार 0 आरोपी भेजा गया जेल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नौवीं कक्षा की एक नाबालिग छात्रा ने बच्चे को जन्म दिया है।जिसे फिलहाल सखी सेंटर में रखा गया है लेकिन जच्चा बच्चा के भविष्य को लेकर अभी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। चाइल्ड लाइन के अधिकारी पीड़ित परिवार से सम्पर्क बनाये हुए है लेकिन किसी नतीजे पर नही पहुँचे है। पीड़ित बच्ची के परिचित के हवस का शिकार बनी है। जिसमे आरोपी को जेल भेज दिया गया है। हालांकि सूत्रों के अनुसार आरोपी का परिवार जच्चा बच्चा को अपनाने कई तरह के हथकंडे अपना रहा है। जिससे पीड़ित परिवार दुविधा में है। बताया गया है कि बसदेई चौकी क्षेत्र के एक गांव में कक्षा 9 वीं की छात्रा को उसके घर आने जाने वाले शख्स ने अपनी हवस का शिकार बना लिया। परिजनों को इसकी जानकारी होने के बाद पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई गई जिस पर पुलिस ने आरोपी मोहम्मद आजम को सुनसँगत धाराओं के तहत जेल भेज दिया है। इधर दुष्कर्म पीड़ित छात्रा ने यहां जिला अस्पताल में एक स्वस्थ्य बच्चे को जन्म दिया है। डाक्टरो के अनुसार नाबालिग अवस्था और समय से पहले बच्चे का जन्म डॉक्टरों के लिए चुनौती थी हालांकि दोनों की हालत अब ठीक है।

मामले की जानकारी लगने के बाद चाइल्ड लाइन ने जच्चा बच्चा को अपनी निगरानी में लेकर सखी सेंटर में रखा है परंतु जच्चा बच्चा के भविष्य को लेकर दुविधा की स्थिति बनी हुई है।जिस बच्ची की अभी खुद की पढ़ने लिखने और खेलने की उम्र थी उसी उम्र में उसे एक बच्चा पालने की जिम्मेदारी आ जाने से यह सवाल खड़ा हो गया है कि दोनो के भविष्य का क्या होगा...? परिजन भी अभी कोई निर्णय लेने की स्थिति में नही है।इधर सूत्र के अनुसार आरोपी का परिवार भी अनेक तरह के हथकंडे अपना कर पीड़ित परिवार पर दबाव बनाये हुए है।जिससे कानूनी लाभ ले सके।

11 कुण्डीय विष्णु महायज्ञ व भागवत कथा की गूंज से क्षेत्र हुआ भक्तिमय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। इन दिनों विधायक भूलन सिंह मरावी का गृहग्राम पटना इन दिनों भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना से सराबोर है। ग्राम पंचायत पटना स्थित पावन गंवहा सरना प्रांगण में 19 जनवरी से आयोजित श्री श्री 11 कुण्डीय विष्णु महायज्ञ एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ ने गांव सहित आसपास के पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का संचार कर दिया है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यज्ञ स्थल पर पहुंचकर पूजा-अर्चना कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं।इस विराट धार्मिक आयोजन में श्री श्री 108 नागा बाबा रामदास महाराज वाराणसी तथा श्रीमद् भागवताचार्य अरुणाचार्य महाराज श्रीधाम वृन्दावन का पावन सानिध्य प्राप्त हो रहा है। यज्ञीय मंत्रोच्चार और संतों के प्रवचनों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना हुआ है।

आयोजन के अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का दिव्य वाचन किया जा रहा है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर रहा है। वहीं रात्रि में श्रीराम लीला का भव्य मंचन श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।कार्यक्रम के अनुसार 26 जनवरी को महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा, जबकि 27 जनवरी को तर्पण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।यह धार्मिक आयोजन प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी की पहल एवं मार्गदर्शन तथा ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही यह धार्मिक परंपरा इस वर्ष अपने शिखर पर पहुंच गई है।आयोजन के माध्यम से पटना गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में भक्ति, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित हो रहा है।

शासन-प्रशासन के प्रयासों से जरूरतमंद को मिला अपना पक्का आवास

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। हर परिवार का सपना होता है, अपना पक्का आवास और इन्हीं सपनों को हकीकत में बदल रही है प्रधानमंत्री आवास योजना। रामानुजगंज नगर के वार्ड क्रमांक-5, चंद्रशेखर वार्ड निवासी श्री दीपक केशरी का भी पक्के आवास का सपना जो वर्षों तक आर्थिक अभाव के कारण अधूरा था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) ने उनके इस सपने को हकीकत में बदल दिया। श्री दीपक केशरी पूर्व में अपने परिवार के साथ कच्चे मकान में निवासरत थे। उनका जीवन कठिन परिस्थितियों में गुजर रहा था।

कार्यालय कलेक्टर (महिला एवं बाल विकास शाखा)
संयुक्त जिला कार्यालय प्रथम तल कक्ष क्रमांक-14 एवं 15
जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

क्र./3808/मबावि/सावि/2025-26 सूरजपुर दिनांक 20.01.2026

विज्ञापन
मिशन शक्ति अन्तर्गत "शक्ति सदन" के संचालन हेतु संविदा स्वीकृत पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन

भारत सरकार द्वारा एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यकम अंतर्गत महिलाओं के सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण हेतु एक अम्ब्रेला योजना "मिशन शक्ति" की शुरूआत की है। मिशन शक्ति के के दिशा निर्देशों के अनुसार **शक्ति सदन** अंतर्गत स्वीकृत 09 संविदा पदों की पूर्ति हेतु आवेदन दिनांक-20.01.2026 से 06.02.2026 तक **ऑनलाइन** वेबसाईट https:/wcd.e-bharti.in/surajpur के माध्यम से आवेदन आमंत्रित है। पदों की नियुक्ति एवं आवेदन प्रक्रिया का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र0	पदनाम	पद संख्या	आरक्षित वर्ग					संविदा नियमानुसार मासिक वेतनमान
			अना0	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	कुल	
1	आवासीय अधीक्षक	1	1	0	0	0	1	20900
2	कार्यालय सहायक	1	1	0	0	0	1	16310
3	बहुउद्देशीय सहायक	2	1	0	0	1	2	11720
4	रसोईयां	2	1	0	0	1	2	6135 अर्द्धकालीन संविदा
5	सुरक्षा गार्ड/चौकीदार	3	1	1	0	1	3	11360
योग (प्रति शक्ति सदन)		9	5	1	0	3	9	

- उपरोक्त सभी पद महिला पद हैं। उक्त पदों हेतु महिला उम्मीदवार ही आवेदन करें।
- छ0ग0शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आयु सीमा पर छुट हेतु जारी निर्देश लागू माने जायेंगे।

उपरोक्त पदों की शैक्षणिक योग्यता, अनुभव, कार्य दायित्व एवं अन्य विवरण जिले की वेबसाईट www.surajpur.gov.in पर उपलब्ध है। विज्ञापन अनुसार ऑनलाईन आवेदन दिनांक 06.02.2026 तक ऑनलाईन पोर्टल https:/wcd.e-bharti.in/surajpur पर की जा सकती है, एवं ऑनलाईन भरे आवेदन एवं दस्तावेजों को रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से दिनांक-20.02.2026 तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला-सूरजपुर को उपलब्ध कराना होगा।

- **ऑनलाईन आवेदन एवं ऑफलाईन आवेदन पत्रों/दस्तावेजों में यदि कोइ भिन्नता पाई जाती है तो ऑनलाईन आवेदन पत्र को ही मान्य किया जावेगा।**

जिला कार्यक्रम अधिकारी
महिला बाल विकास विभाग
जिला: सूरजपुर (छ.ग.)

जी-252606230/1

नयनपुर में किया गया फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को समीपस्थ ग्राम नयनपुर में स्व.बाबूराम नारायण सिंह एवं शिवनारायण स्मृति फुटबॉल नाकआउट प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ किया गया। जिसमें प्रथम मैच अनुजनगर एवं शिवसागरपुर के मध्य खेला गया। शुभारंभ मैच के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती योगेश्वरी लक्ष्मण राजवाड़े मौजूद रहे। जबकि अध्यक्षता जनपद सदस्य लक्ष्मण राजवाड़े ने किया।

विशिष्ट अतिथि के तौर पर नयनपुर सरपंच श्रीमती मुन्नी सिंह, गिरवरगंज सरपंच हरी सिंह, पचिरा सरपंच श्रीमती सुन्दरमनी मिंज एवं ग्राम तिलसिवां सरपंच श्रीमती विमला सिंह उपस्थिति रही। जिनके आतिथ्य में प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। आयोजन को लेकर गांव में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में ग्रामीण इस आयोजन के शुभारंभ मौके पर उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग,
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग क्र. 2. रामानुजगंज
Main Portal: http://egeprocurement.gov.in
WRD Portal: wrd.cgeprocurement.gov.in

निविदा निरस्तीकरण सूचना

आदेश कलांक 45/व.ले.लि./2025-26 रामानुजगंज, दिनांक 29/01/2026

संभागीय कार्यालय के निविदा सूचना क्र. 11/व.ले.लि/2025-26 दिनांक 17.11.2025 सिस्टम क. 178221 (प्रथम आमंत्रण) कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी उपसंभाग एवं सिंचाई कालोनी वाड्रफनगर योजना कार्य जी नम्बर 252604837, दिनांक 20/11/2025 में निविदाकार निरंक एवं निविदा सूचना क्र. 05/व.ले.लि./2025-26, दिनांक 13.11.2025, सिस्टम क्र. 179265 (प्रथम आमंत्रण) जौराही जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य में एकल निविदाकार होने के कारण निविदा निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क. 2. रामानुजगंज,
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते- मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार, जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)

जी-252606249/1

छ.ग. प्रदेश किसान कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम जिला प्रशासन को सौपा ज्ञापन

धान खरीदी की तिथि बढ़ाने सहित किसानों के हित मे की 7 सूत्रीय मांग

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश में धान खरीदी की समस्याओं के निराकरण एवं किसानों की सात सूत्रीय मांगो को लेकर छ.ग. किसान कांग्रेस ने राज्यपाल के नाम शुक्रवार को यहां जिला प्रशासन को ज्ञापन सौपा है। किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश दत्त तिवारी के नेतृत्व में सौपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश में वर्तमान में धान खरीदी की प्रक्रिया में व्याप्त भारी अव्यवस्था, प्रशासनिक उदासीनता और सरकार की दोषपूर्ण नीतियों के कारण प्रदेश का किसान स्वयं को असहाय, अपमानित और ठगा हुआ महसूस कर रहा है। किसानों के व्यापक हित को देखते हुए सात सूत्रीय मांगों पर तत्काल संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को उचित दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया है।

यह है मांगे

धान खरीदी की अवधि में वृद्धिरू धान खरीदी की प्रक्रिया अभी भी अपूर्ण है और बड़ी संख्या में किसान अपनी उपज बेचने से वंचित हैं। अत: खरीदी की अंतिम तिथि बढ़ाकर 28 फरवरी तक की जाए, उठाव के आभाव में समितियों में धान का अंबार लगा हुआ है। धान की सुरक्षा और वजन में होने वाली क्षति को रोकने हेतु आगामी 4 दिनों के भीतर धान का उठाव अनिवार्य रूप से प्रारंभ कराया जाए। सरकार द्वारा एकमुश्त भुगतान के नाम पर किसानों को भ्रमित किया जा रहा है। सभी किसानों को घोषित 31सौ रुपये प्रति क्विंटल की दर से तत्काल एकमुश्त भुगतान सुनिश्चित किया जाए। जिन किसानों के टोकन अब तक लंबित है या काट दिए गए हैं. उन्हें आगामी 7 दिनों के भीतर प्राथमिकता से टोकन जारी कर उनके एक-एक दाने की खरीदी सुनिश्चित की जाए, वन पट्टा धारक किसानों के लिए धान बेचने की प्रक्रिया में आ रही तकनीकी दिक्कतों को दूर कर तत्काल प्रभाव से सुचारू व्यवस्था की जाए, गिरदावरी रिपोर्ट के नाम पर रकबा कटौती और सत्यापन के बहाने किसानों का मानसिक उत्पीड़न तुरंत बंद किया जाए तथा टोकन सत्यापन के बहाने प्रशासनिक अमले द्वारा किसानों के घरों और कोठारों में जाकर धान की जांच करना उनके आत्मसम्मान पर गहरी चोट है। इस अपमानजनक प्रक्रिया को तत्काल प्रभाव से रोके जाने की मांग की गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि शासन प्रशासन इस कुंभकर्णी नींद से जागकर हमारी न्यायोचित मांगों पर तत्काल कार्यवाही नहीं करती है, तो प्रदेश किसान कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से 28 जनवरी को पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन एवं प्रदर्शन करने के लिए विवश होगी। आग्रह किया गया है कि अन्नदाता के स्वाभिमान और उनके अधिकारों के पक्ष में आपके न्यायपूर्ण निर्णय की प्रतीक्षा है। ज्ञापन सौपने के दौरान किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश दत्त तिवारी के साथ किसान कांग्रेस के प्रदेश महासचिव दीपन मानिकपुरी, जिलाध्यक्ष सचेन्द्र पाठक, देवेश राजवाड़े प्रदेश सचिव, ब्लाक अध्यक्ष प्रेमनगर बसराम सिंह, ब्लाक अध्यक्ष रामानुजनगर बालेश्वर नेताम, शहरी ब्लाक नुरुस्लाम एवं संदीप अगरिया शामिल थे।

कृषि मंत्री ने डौरा-कोचली धान खरीदी केंद्र का किया औचक निरीक्षण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज विकासखण्ड बलरामपुर के धान खरीदी केन्द्र डौरा-कोचली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीद व्यवस्था, किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, तौल मशीनों, मापक उपकरणों और धान उपार्जन से जुड़ी प्रत्येक प्रक्रिया का सूक्ष्म निरीक्षण किया।

मंत्री श्री नेताम ने धान खरीदी केंद्र में उपस्थित किसानों से चर्चा कर खरीदी व्यवस्था और जरूरतों के बारे में जानकारी ली। किसानों ने बताया कि शासन की ओर से की गई व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से

संचालित हो रही हैं तथा उन्हें धान बेचने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं आ रही है। मंत्री ने समर्थन मूल्य, तुलाई की गति, बारदाना उपलब्धता और परिवहन की स्थिति पर भी किसानों से बात किये।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के धान की समयबद्ध, पारदर्शी और व्यवस्थित खरीदी के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को देखते हुए हमारी सरकार के द्वारा सभी धान खरीदी केन्द्रों में लिमिट बढ़ा दी गई है। इसलिए आप सभी किसान निश्चिंत रहें। सरकार के द्वारा सभी पंजीकृत किसानों की धान खरीदी की जाएगी। साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि किसानों की उपज का सही मूल्य दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में तुरंत कार्यवाही सुनिश्चित हो।

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अम्बिकापुर 25 जनवरी 2026 8

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरुद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर 'मेधावी बेटियां सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन

शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रोत्साहन दी गई राशि

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा राजमोहनी भवन में मेधावी बेटियां सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाना तथा समाज में बालिका शिक्षा और नारी सशक्तिकरण के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़ नाटक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसौदिया, महापौर मंजूषा भगत, सभापति हरिमन्दर सिंह टिन्नी सहित पार्षदगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली जिले की मेधावी छात्राओं को सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में 97.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा भूमिका राजवाड़े को 5000 रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की गई। इसी कक्षा में 97.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान हासिल करने वाली दिव्या चौहान एवं खुशबू बारिक को 3-3 हजार रुपये देकर सम्मानित किया गया। वहीं 97.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली सामली तथा अदिति राजवाड़े को 2-2 हजार रुपये पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

कक्षा 12वीं में 94.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल करने वाली छात्रा वंशिका गुप्ता को 7000 रुपये पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया। 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली लक्ष्मी यादव को 5000 तथा 92.20 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली वसिमा नुसरत को 3000 की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने कहा कि बालिकाएं केवल परिवार नहीं, समाज और राष्ट्र की नींव हैं। उन्हें शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर देकर ही सशक्त भारत की परिकल्पना साकार की जा सकती है। जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसौदिया ने कहा कि हर बालिका में अपार संभावनाएं होती हैं, आवश्यकता है उन्हें विश्वास और सही मार्गदर्शन देने की। महापौर मंजूषा भगत ने कहा कि आज की बालिका ही कल की सशक्त महिला हैं, उनकी शिक्षा व आत्मनिर्भरता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभापति हरिमन्दर सिंह टिन्नी ने कहा कि बालिकाओं को समान अधिकार और सम्मान देकर ही समाज और राष्ट्र की वास्तविक प्रगति संभव है। आज देश के सर्वोच्च पद पर महिला हैं, जो कि देश समाज और परिवार का नाम रोशन कर रही हैं।

विभागीय योजनाओं की दी गई जानकारी

कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी जे.आर. प्रधान ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय बालिका दिवस नारी शक्ति के रूप में मनाया जाता है, इसकी शुरुआत 2008 में हुई थी। इसका उद्देश्य बालिकाओं की सुरक्षा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण तथा सुरक्षित वातावरण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने बताया शासन द्वारा नारी सशक्तिकरण हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना, मिशन वात्सल्य, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, महतारी वंदन योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्पलाइन 181 सहित अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिससे नारीशक्ति को समान अधिकार मिले। कार्यक्रम के माध्यम से मेधावी बालिकाओं को प्रोत्साहित कर समाज में शिक्षा एवं नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में बालिकाएं और महिलाएं शामिल हुई।

नवा बिहान की टीम के साथ डीआईजी ने किया बालिकाओं का सम्मान

सरगुजा पुलिस एवं सरगुजा जिले के स्वैच्छिक संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में संचालित नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र के द्वारा चाइल्ड फ्रेंडली थीम के तहत राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 के अवसर पर बालिकाओं का सम्मान किया गया। नवा बिहान के मार्गदर्शक उप पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सरगुजा राजेश अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो, नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, नवा बिहान संयोजक मंगल पाण्डेय, वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी एवं बीके विद्या ने बालिका अम्बे शर्मा, गौरी शर्मा, आज्या वर्मा, निशा बारी एवं सावित्री सिंह को शाल-श्रीफल भेंट करके सम्मानित किया। साथ ही बालिका अम्बे एवं गौरी की माता डॉ. रश्मि शर्मा को भी शाल श्रीफल से सम्मानित किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बालिकाओं को पुलिस के द्वारा दी जाने वाली सेवाओं से परिचित कराया गया। छोटी-छोटी बच्चियां भी पुलिस को लेकर क्या सोच रखती हैं, इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस अवसर पर नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान एवं परामर्श केंद्र सरगुजा की टीम से समाजसेवी अमृत लाल प्रधान, अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी, अमृता जायसवाल, सुनिधि शुक्ला, हिना खान, बीके अहिल्या, मनीषा वर्मा, संतोष कुमार विश्वकर्मा, बीके खिलानन्द उपस्थित रहे।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश के निर्देशन में विधिक जागरूकता शिविरों का आयोजन

राष्ट्र विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण बिलासपुर के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सरगुजा अंबिकापुर के मार्गदर्शन में 24 जनवरी को बालिका दिवस के अवसर पर विशेष विधिक जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर महिला बाल विकास विभाग तथा शिक्षा विभाग सरगुजा के सहयोग से जिले के विभिन्न तहसीलों में आयोजित करके जन मानस को महिला संबंधी विधिक जानकारी प्रदान की गई। महिला बाल विकास विभाग के सहयोग से शहर के राजमोहनी देवी भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ किए गए विधिक जागरुकता शिविर आयोजन में शासकीय उ.मा.वि. उदयपुर, शासकीय उ. मा.वि. पुलिस लाईन, शासकीय उ.मा.वि. शिवनाथपुर, शासकीय आई.टी.आई. अंबिकापुर, केदारपुर स्कूल, विधि विभाग पी.जी. कॉलेज, शासकीय मल्टीमरपज मिडिल स्कूल, स्वामी आत्मानंद स्कूल धौरपुर, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल लखनपुर में आयोजित विधिक जागरुकता शिविरों के माध्यम से लगभग 1500 लोगों को महिला संबंधी विधि की जानकारी दी गई। उक्त शिविरों में संविधान में निहित महिला संबंधी विधिक जानकारी, पी.सी. पी.एन.डी.टी. एक्ट 1994, घरेलू हिंसा संबंधी विधि, पॉक्सो, कार्य स्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न, रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013, आशा योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, जननी सुरक्षा योजना, बालिका समृद्धि योजना तथा बालिकाओं के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य हितों से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई।

पीजी कॉलेज मैदान में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह का फाइनल रिहर्सल संपन्न

कलेक्टर व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने की गई तैयारियों का लिया जायजा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में गणतंत्र दिवस 2026 समारोह का आयोजन पीजी कॉलेज ग्राउंड अंबिकापुर में किया जाएगा। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के उप मुख्यमंत्री व गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री विजय शर्मा ध्वजारोहण करेंगे व परेड की सलामी लेंगे। समारोह का फाइनल रिहर्सल शनिवार को पीजी कॉलेज ग्राउंड में संपन्न हुआ। तैयारियों का जायजा लेते हुए कलेक्टर अजीत वसंत और पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह के फाइनल रिहर्सल का निरीक्षण किया।

फायनल रिहर्सल में समारोह के मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम का अभ्यास किया गया। इस दौरान अपर कलेक्टर सुनील नायक ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई और राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सलामी दी। परेड कमांडर द्वारा मुख्य अतिथि को परेड निरीक्षण हेतु रिपोर्ट किया गया। मुख्य अतिथि ने जीप में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया। परेड निरीक्षण के पश्चात उन्होंने मुख्यमंत्री के संदेश का प्रतीकात्मक वाचन किया। पुलिस के जवानों द्वारा राष्ट्रगान के धुन पर हर्ष फायर किया गया। पुलिस के जवानों, एनसीसी और स्काउट गाइड के छात्र-छात्राओं ने पूर्ण गणवेश में मार्च पास्ट किया। परेड के मार्च पास्ट के पश्चात मुख्य अतिथि के साथ परेड कमांडरों का परिचय एवं ग्रुप फोटो का आयोजन किया गया। स्कूली बच्चों ने देशभक्ति गीतों पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कलेक्टर एवं एसपी ने वीवीआईपी, वीआईपी, शहीदों के परिजनों, मीडिया तथा आमजनों के बैठक व्यवस्था, प्रवेश, वाहन पार्किंग आदि की जानकारी ली और संबंधितों को बेहतर व्यवस्था हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने उपस्थित विभिन्न विभाग के अधिकारियों को समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था स्थल पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा करेंगे ध्वजारोहण

गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि विजय शर्मा द्वारा प्रातः 09 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। इसके बाद ध्वज की सलामी, राष्ट्रगान, परेड कमाण्डर द्वारा परेड रिपोर्टिंग के बाद परेड निरीक्षण किया जाएगा। मुख्य अतिथि द्वारा संदेश वाचन, तत्पश्चात रंगीन गुब्बारा उड़ाया जाएगा। इसके पश्चात हर्ष फायर एवं राष्ट्रपति की जय के नारे, मार्च पास्ट किया जाएगा। ततपश्चात कमाण्डरों का परिचय, शहीद परिवार के परिजनों का सम्मान एवं फोटो सेशन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विभागीय झांकी प्रदर्शन तथा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

डिवाइडर से बाइक टकराई, सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ भृत्य की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय के गौरव पथ पर, होटल के सामने शनिवार को मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिसमें सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ भृत्य की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ भृत्य सुनील सेंगर 45 वर्ष मूलतः ग्राम दतिया मध्य प्रदेश का रहने वाला था, जो अपनी मोटरसाइकिल से चांदो चौक की ओर से हाईस्कूल की तरफ जा रहा था। इसी दौरान भोला होटल के सामने संतुलन बिगड़ने से बाइक डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटनास्थल पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना से स्वजन और सीएमएचओ कार्यालय में शोक का माहौल है।

बेवा महिला ने मां-बेटी का रिश्ता बनाकर 6.50 लाख ठगने का लगाया आरोप

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर में बुजुर्ग विधवा महिला से एक युवती ने पहले तो संपर्क बढ़ाया और उनका विश्वास अर्जित करके मां-बेटी जैसा रिश्ता बना ली, बाद में बुजुर्ग महिला को ऑनलाइन ट्रेडिंग का प्रशिक्षण देने के नाम पर एक लाख से अधिक रुपये ले लिए, और खुद एप से लाखों रुपये कमाने की जानकारी देते हुए स्क्रीन शॉट दिखाया। इसके बाद कहा कि यह रुपये फिलहाल मेरे बैंक अकाउंट में ट्रांसफर नहीं हो पा रहा है। युवती ने कार खरीदने की बात कहते हुए पांच लाख रुपये ले लिए, बाद में रुपये लेने की इंकार कर दिया। अंबिकापुर के गांधीनगर थाना तक महिला पहुंची, लेकिन पुलिस कार्रवाई करने के बजाय पीड़िता को न्यायालय का रास्ता दिखा दी। रेलवे स्टेशन अंबिकापुर के पास ग्राम ठाकुरपुर की लुती लुसिया खेस ने इस संबंध में दिए गए आवेदन में बताया है कि अगस्त माह में उसकी पहचान कुसमी दर्रीपारा निवासी एक युवती से हुई, जो उसके घर में हमेशा आना-जाना करती थी, और नमना कला अंबिकापुर में ही किराए के कमरे में रहती थी। इस दौरान बेवा महिला से वह मां-बेटी जैसा रिश्ता बनाकर घुल-मिल गई। इसके बाद वह बेवा महिला को बताई कि वह ऑनलाइन गेम के माध्यम से लाखों रुपये कमा रही है, उसने इसका स्क्रीनशॉट दिखाया और बताया कि वह करीब 20-25 लाख रुपये ऑनलाइन गेम से जीती है, लेकिन यह रुपये उसके अकाउंट में ट्रांसफर नहीं हो पा रहा है। युवती ने ऑनलाइन ट्रेडिंग से अधिक पैसा कमाने का लालच देते हुए एक लाख रुपये से अधिक प्रशिक्षण के नाम पर भी लिया और कुछ दिन मोबाइल के

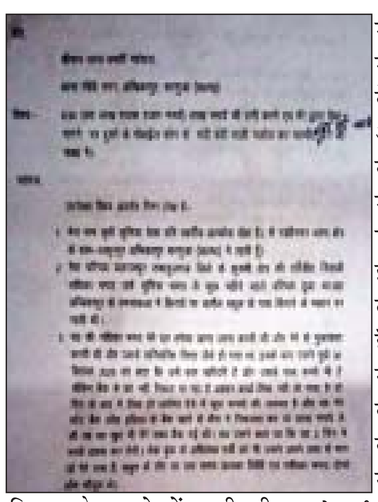

माध्यम से इसके बारे में महिला को प्रशिक्षण देने के नाम पर हमेशा घर में आने-जाने लगी। इसी बीच युवती ने बेवा महिला से कहा कि उसे एक कार खरीदनी है, इसके लिए करीब 5 लाख रुपये कम पड़ रहे हैं। युवती ने महिला से रुपये की मांग करते हुए कुछ दिनों बाद वापस कर देने कहा। महिला रुपये देने के लिए तैयार हो गई। बेवा महिला को लेकर युवती अलग-अलग बैंक गई और रुपये निकलवा कर ले ली। इस दौरान उसके साथ एक और युवती भी थी। रुपये लेकर वे गाड़ी खरीदने चले गए। रुपये वापस नहीं करने पर महिला ने राधिका को टटोलते हुए रुपये देने के लिए कहा। आरोप है कि पहले तो युवती टाल-मटोल कर रही थी, बाद में रुपये देने से इन्कार कर दी। यहां से दोनों के बीच मतभेद की स्थिति बन गई। कुछ महीने गुजर गए तब महिला ने इसकी शिकायत गांधीनगर थाना में की। पुलिस ने पीड़ित महिला और युवती को थाने में तलब किया। यहां राधिका नाम की उक्त युवती ने बताया कि जो रुपये मिले थे उसे ऑनलाइन एप रिचार्ज करने में खत्म कर दी है। एप में परिचित लोगों का आईडी बनाकर रिचार्ज करने की बात वह कही, यह एप अब बंद हो चुका है। इस एप में सैकड़ों लोगों ने करोड़ों रुपये गंवाया है।

दूसरी तरफ जिस क्रेटा कार को कथित तौर पर राधिका ने खरीदा है वह कोरबा जिले में पोस्टेड एक तहसीलदार के नाम पर बताया जा रहा है। कार मार्टिन नामक व्यक्ति के नाम पर है। तहसीलदार का कहना है कि कार को उन्होंने अपने रुपये से खरीदा है और लोन लिया है। इधर राधिका ठगी के आरोप को गलत करार दे रही है। मामला जो भी हो, अगर गांधीनगर थाना पुलिस ने बेवा महिला की शिकायत को संज्ञान में लिया होता और जांच की होती तो वास्तविक तथ्य निकलकर सामने आ जाता। मामले में सरगुजा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लो जांच और कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

मन की बात के साथ होगी 'स्वास्थ्य' की बात, अजिरमा में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 'मन की बात' के अंतर्गत सरगुजा जिले के 878 बूथों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सुनने की तैयारी है। भाजपा सरगुजा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए प्रत्येक श्रवण केंद्र पर अतिथि नियुक्त किए हैं।

इसी तारतम्य में अंबिकापुर के पंचायत भवन अजिरमा में आमजन की सुविधा एवं स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर जिला पंचायत सदस्य दिव्या सिंह सिसोदिया के पहल पर उनके जिला पंचायत क्षेत्र अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है। शिविर में अनुभवी चिकित्सकों द्वारा आमजन को नि:शुल्क परामर्श तथा बी.पी., शुगर, थायराइड, सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं महिला रोगों से संबंधित जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। शिविर आज 25 जनवरी, रविवार को प्रातः 10.45 बजे से शाम 3 बजे तक पंचायत भवन अजिरमा में लगेगा। स्वास्थ्य शिविर में माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल अंबिकापुर का सहयोग रहेगा। दिव्या सिंह सिसोदिया ने क्षेत्र के आम नागरिकों से मन की बात का श्रवण करने और अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

साहित्य उत्सव 2026 में सम्मानित हुए अजय चतुर्वेदी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पुरखौती मुक्तांगन नया रायपुर में साहित्य महोत्सव 2026 का आयोजन 23 से 25 जनवरी तक किया गया है, जिसमें सरगुजा संभाग के पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी सम्मान से सम्मानित साहित्यकार अजय कुमार चतुर्वेदी को पुरातत्वः मौन साहित्य विषय पर परिचर्चा के लिए मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे। परिचर्चा में 23 जनवरी को अजय चतुर्वेदी ने भाग लेकर उत्तरी छत्तीसगढ़ सरगुजा अंचल के सभी पुरातात्विक स्थलों को बताते हुए कहा कि पुरातत्व एक मौन साहित्य है, जो मौन रहकर बखान करता है।

अजय चतुर्वेदी ने लोक साहित्य और पुरातत्व का संबंध, विषय पर भी अपनी बात रखी। कार्यक्रम में अजय चतुर्वेदी को रायपुर साहित्य उत्सव स्मृति चिन्ह और राज्यकीय गमछा देकर सम्मानित किया गया। पुरातत्व मौन साहित्य विषय पर परिचर्चा के लिए भारत से चार विद्वानों को आमंत्रित किया गया था। इन्होंने सरगुजा अंचल के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राम वन गमन परिपथ, विलुप्त होते लोक वाद्यों, सरगुजिहा बोलियों पर कार्य कर पुस्तक लेखन किया है। इनकी लिखी रचनाएं छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक में भी शामिल हैं। इनकी कहानी को एससीईआरटी रायपुर से प्रकाशित कर राज्य की 16 बोलियों में अनुवाद किया गया और छत्तीसगढ़ के पूर्व माध्यम विद्यालयों भेजी गई है। साहित्य महोत्सव में देशभर के सुप्रसिद्ध लेखक, कवि, पत्रकार, साहित्यकार, डायरेक्टर, प्रोड्यूसर, कलाकार और विभिन्न विधाओं से जुड़े विद्वानों की उपस्थिति रही। गीत संगीत, परिचर्चा और संवाद कार्यक्रम हुआ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर